जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 325 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 27 सितम्बर, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने यू.पी. की योगी सरकार को भी पीछे छोड़ा

योगी सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान ढाबे के मालिक का नाम ''डिसप्ले'' करने का अस्थायी आदेश जारी किया था, पर, हिमाचल सरकार ने स्थायी नोटिफिकेशन जारी किया

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कांग्रेस-शासित हिमाचल प्रदेश की सरकार ने भी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड सरकारों के उन आदेशों का अनुकरण किया है, जिनमें भोजनालयों एवं रेस्टोरेन्टों को अपनी आई.डी. प्रदर्शित करने के निर्देश दिये गये थे। हिमाचल सरकार के इस आदेश पर राजनेताओं और ऐक्टिविस्टों ने घोर आक्रोश व्यक्त किया है तथा सुखविन्दर सिंह सुक्खू सरकार के स्थायित्व पर सवाल खड़े किये हैं।

- पर, हिमाचल की सरकार का आदेश अनायास या गलती से नहीं निकला था। हिमाचल में स्थानीय व बाहरी का सवाल व विवाद इन दिनों काफी गर्माया हुआ है और इस तरह की तीन चार ''साम्प्रदायिक'' घटनाएं हो चुकी हैं।
- कांग्रेस भी इस बाहरी व स्थानीय विवादों से अछूती नहीं है। एक खेमा रोहिंग्या व बांग्लादेशियों को स्वीकार करने के पूर्णतया खिलाफ है। अतः वे ढाबों व थड़ियों के मालिकों का पहचान पत्र ''डिसप्ले'' करने के पक्ष में हैं।
- दूसरा खेमा इस पहचान पत्र की प्रक्रिया को, कांग्रेस की मूल धर्मनिरपेक्ष सोच के विरूद्ध मानता है।

कांवड़-यात्रा के दौरान, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी किये गये आदेश की पुनरावृत्ति के अन्तर्गत, हिमाचल सरकार ने 25 सितम्बर को आदेश जारी किये कि राज्य के भोजनालयों एवं रेस्टोरेन्टों को उनके नाम प्रदर्शित करने होंगे। पी.डब्ल्यू.डी. एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि यह आदेश यह सुनिश्चित करने के लिये जारी किया गया है कि ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। प्रसंगवश बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के इन आदेशों पर उस समय स्टे लगा दिया था, जब कई याचिकाकर्ताओं ने अदालत में यह कहा था कि इस आदेश का उपयोग जाति एवं धर्म के आधार पर भेदभाव करने में किया जा सकता है। हिमाचल सरकार का आदेश, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सरकारों के इसी किस्म के आदेशों के एक कदम आगे हैं, उन दोनों सरकारों ने तो अस्थाई आदेश जारी किये थे, जबकि हिमाचल की अधिसूचना स्थाई है।

ऐसे समय, जब राहुल गांधी ''मोहब्बत की दुकान'' के नारे को काम में लेते हुये प्रचार कर रहे हैं, सुक्खू सरकार का यह आदेश विसंगत एवं भिन्न स्वर लिये हुये है तथा कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष राजनीति पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला है। हिमाचल के कांग्रेस नेता भी इस मुद्दे पर विभाजित बताये जाते हैं तथा ऐसी रिपोर्ट हैं कि विक्रमादित्य सिंह तथा मुख्यमंत्री स्पष्टीकरण के लिये दिल्ली तलब किये जायेंगे।

एक हिन्दू-समर्थक लहर पूरे राज्य में पिछले कुछ महीने से चलती दिखाई दे रही है तथा राज्य के निवासियों तथा बाहरी लोगों के बीच हुई आधा दर्जन से अधिक झड़पों की जानकारी मिली है। मार्च में, धर्मशाला के पास स्थानीय लोगों के साथ हुये किसी विवाद के चलते, एक सिख पर्यटक की पिटाई कर दी गई, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। जून में सिरमोर जिले के नाहन नामक कस्बे में मुस्लिमों की दुकानों पर हमले किये गये, जिसके बाद कई मुस्लिम परिवार कस्बा छोड़ कर चले गये थे। सितम्बर में, सोलन में एक मुस्लिम दुकानदार पर हमला किया गया।

राज्य में गैर-हिन्दुओं के खिलाफ होते जा रहे माहौल के चलते, राज्य कांग्रेस के कुछ ग्रुप हिन्दू-समर्थक रूख इख्तियार कर रहे हैं, जबकि पार्टी के अन्य ग्रुपों का कहना है कि ऐसी नीतियाँ कांग्रेस के मूल धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व मंत्री महेश जोशी के पुत्र को दुष्कर्म केस में फिलहाल राहत नहीं

जयपुर, 26 सितंबर। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी के खिलाफ दुष्कर्म के मामले में फिलहाल राहत नहीं दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दिल्ली पुलिस से जवाब मांगते हुए प्रकरण की सुनवाई 25 अक्टूबर को तय की है। अदालत ने यह आदेश रोहित जोशी की आपराधिक याचिका पर दिए। याचिका में उसके खिलाफ दर्ज दुष्कर्म की एफआईआर और आरोप पत्र को रद्द करने की गुहार की गई है।

- रोहित जोशी ने दुष्कर्म की एफ.आई.आर. तथा आरोप पत्र रद्द करने की याचिका दिल्ली हाई कोर्ट में लगाई थी। अदालत ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगते हुए 25 अक्टूबर की सुनवाई तय की।

सुनवाई के दौरान आरोपी याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि जब तक याचिका तय नहीं होती, तब तक निचली अदालत में चल रही कार्रवाई पर रोक लगाई जाए। याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट हरिहरन ने कहा कि शिकायतकर्ता व रोहित के बीच सहमति से संबंध बने थे, और यह मामला हनीट्रैप का है। शिकायतकर्ता ने रोहित पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन की आक्रामक विदेशी नीति का आधार है अंधी राष्ट्रीयता, जो बचपन से कूट-कूट कर भरी जाती है

यहां कौमपरस्ती की इतनी इन्तिहा हो गई है कि आम नागरिक भी शर्मिंदगी महसूस कर रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। चीन का कट्टर राष्ट्रवाद अपने आप के लिए घातक होता जा रहा है।

चीन के शेनझेन शहर में एक मां ने उस शहर में मारे गए एक जापानी बच्चे की याद में फूल अर्पित करते हुए लिखा, ''आशा करती हूँ, स्वर्ग में नफरत नहीं होगी।''

विदेशियों के लिए नफरत को बढ़ावा देने के चीन के घोषित कार्यक्रमों को लेकर इस समय देश में दुःख और आत्म संदेह का जो भाव व्याप्त है, यह उसका लक्षण है। नफरत भरे कार्यक्रमों का निशाना जापानी थे और राज्य मीडिया ने उस देश के बारे में झूठी अफवाहें फैलाई थीं।

जापानियों के विरूद्ध ''हेट क्राइम'' की एक घटना में चीन के शेनझेन शहर में गत सप्ताह एक स्कूली बच्चे को चाकू मारे गए, जिसकी अस्पताल जाते समय मृत्यु हो गई। जापानी नागरिकों, जिनमें स्कूल जाने वाले बच्चे भी शामिल हैं, के विरूद्ध बढ़ते आक्रोश को दर्शाते हुए एक चीनी आदमी ने इस घटना को अंजाम दिया।

- चीन की इस कौमपरस्ती का लक्ष्य आजकल जापान है और जापानियों से घृणा का सबक छोटे बच्चों को प्रारम्भ से पढ़ाया जाता हैं, स्कूलों में, सरकारी मीडिया आदि द्वारा भी।
- नतीजा यह है कि चीनी युवकों के गिरोह पनप गये हैं, जो अपनी कौमपरस्ती साबित करने के लिये कुछ भी करने को तत्पर हैं।
- हाल ही में शेनझैन में एक जापानी बच्चे की स्कूल जाते समय, ऐसे ही एक युवक ने चाकू से गोद-गोद कर हत्या कर दी।
- चीन की आम जनता भी इस वीभत्स घटना से हिल गई और शोक व ग्लानि में डूब गई। देश में माहौल दुःख व अन्तरआत्मा को झकझोरने का व दिशा भ्रम का है। देश के कोने-कोने से मृत जापानी बालक के लिये सहानुभूति के संदेश पहुंच रहे हैं। एक मां ने लिखा, ''मैं यह ही प्रार्थना करती हूं कि स्वर्ग लोक में ऐसी घृणा तो न हो।''

बच्चे की मृत्यु से चीन सकते में आ गया तथा सामान्य चीनी नागरिकों में भारी पछतावा देखा गया। देश के दूरस्थ कोनों से भी इस जापानी स्कूल में पुष्पांजलियाँ भेजी जा रही हैं तथा देश में हो रही इन घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया पर शोक तथा संताप की भावनाएं वायरल हो रही हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह को जन्म दिन की बधाई दी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह 92 वर्ष के हो गए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह आज 92 वर्ष के हो गये। इस अवसर पर कांग्रेस सहित, विभिन्न पार्टियों के प्रमुख नेताओं ने उन्हें जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर बधाइयों की बाढ़ जैसी आ गई।

- सभी दलों के नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री को जन्म दिन की बधाई दी तथा उनके अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घ जीवन की शुभकामनाएं दीं। सभी नेताओं ने भारत को ग्रोथ और विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए उनके योगदान की प्रशंसा की।
- राहुल गांधी ने कहा, आपकी विनम्रता, विद्वत्ता और देश के भविष्य को आकार देने में निस्वार्थ सेवाभाव हमेशा मुझे प्रेरित करता रहेगा।
- आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और असम के मुख्यमंत्री हिमान्त बिस्वा सरमा, एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को जन्म दिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती को उनके जन्म दिन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को जन्म दिन की बधाई। ईश्वर आपको स्वस्थ रखे एवं लम्बा जीवन प्रदान करे।''

सभी नेताओं ने भारत की ग्रोथ एवं विकास में उनके योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सिंह 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे तथा 1991-96 के दौरान वे पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार में देश के वित्त मंत्री थे। वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल रूपान्तरकारी आर्थिक सुधारों के लिये जाना जाता है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, जो आधुनिक भारत के स्वरूप में सिंह की केन्द्रीय भूमिका के बारे में अक्सर बोलते रहते हैं, ने विनम्रता एवं बुद्धिमता के लिये पूर्व प्रधानमंत्री की प्रशंसा की। गांधी ने ''एक्स'' पर अपने हृदयस्पर्शी मैसेज में कहा, ''डॉ. मनमोहन सिंह जी को जन्म दिन की बधाई। आपकी विनम्रता, बुद्धिमता एवं देश के भविष्य को स्वरूप देने में आपकी निस्वार्थ सेवा मुझे और करोड़ों भारतीयों को प्रेरित करती आ रही है। ईश्वर आपको सदैव स्वस्थ एवं प्रसन्न रखे। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सिंह को भारत में उदारीकरण एवं आर्थिक सुधारों के अग्रदूत के रूप में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हाई कोर्ट ने चिकित्सकों को जमानत दी

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फर्जी एन.ओ.सी. के जरिए ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने से जुडे मामले में आरोपी डॉक्टर्स संदीप गुप्ता व जितेन्द्र गोस्वामी सहित कंपाउंडर भानू लववंशी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं, जबकि किडनी ट्रांसप्लांट करवाने वाले बांग्लादेशी नागरिक अहसान उल कोबिर, नुरूल इस्लाम सहित सुखमय नंदी, सुमन जाना व कोऑर्डिनेटर विनोद सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया

- न्यायालय ने माना कि दोनों डॉक्टर फर्जी एन.ओ.सी. बनाने की कार्यवाही में शामिल नहीं हैं।
- किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले बांग्लादेशी नागरिक व कोऑर्डिनेटर व अन्य को जमानत देने से कोर्ट ने इन्कार किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक ने सी.बी.आई. की एन्ट्री पर रोक लगाई

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने सी.बी.आई. को जाँच के लिए दी गई सहमति वापस ले ली है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राज्य में जाँच के लिए सी.बी.आई. को दी गई मंजूरी वापस ले ली गई है और एक तरह से केन्द्र बनाम कर्नाटक के बीच खुली जंग छिड़ गई है। इस फैसले को सिद्धारमैया व उनकी पत्नी के खिलाफ जमीन घोटाले में अदालत द्वारा जाँच के आदेश दिए जाने से जोड़ कर देखा जा रहा है।

कोर्ट द्वारा जाँच के आदेश देने के बाद मुख्यमंत्री के इस्तीफे की माँग तेज हो गई है और कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कहा कि राज्य सी.बी.आई. की पक्षपातपूर्ण कार्यवाही को रोकना चाहता है। कांग्रेस का दावा है कि सी.बी.आई. भाजपा के आदेश पर इसके नेताओं को निशाना बनाती है, खासकर चुनावों से पहले। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस फैसले का सिद्धारमैया पर लगे आरोपों से कोई संबंध नहीं है।

- कर्नाटक सरकार के इस फैसले को, हाई कोर्ट द्वारा मुख्यमंत्री के खिलाफ जाँच की अनुमति दिए जाने से जोड़कर देखा जा रहा है।
- कर्नाटक सरकार के इस फैसले के बाद अब सी.बी.आई. राज्य सरकार की अनुमति के बिना मामले की जाँच नहीं कर सकती है।
- भाजपा तथा उसकी सहयोगी पार्टी जनता दल-एस ने सिद्धारमैया सरकार के इस फैसले की कड़ी आलोचना की तथा उनके इस्तीफे की मांग की।
- कांग्रेस का कहना है कि सी.बी.आई. के पक्षपाती रवैये के कारण यह कदम उठाया गया है और अब तक हमने जितने भी केस सी.बी.आई. को भेजे उनमें से कुछ में तो सी.बी.आई. ने जाँच भी शुरु नहीं की है और कुछ केसों में चार्जशीट फाइल नहीं की है।

कानून मंत्री पाटिल ने कहा, ''हम राज्य में सी.बी.आई. जाँच की खुली मंजूरी वापस ले रहे हैं। हम एजेंसी के दुरुपयोग के प्रति चिंता व्यक्त कर रहे हैं। एजेंसी पक्षपाती है, इसलिए हमने यह निर्णय लिया है। सारी कैबिनेट मुख्यमंत्री के साथ है, हमने उन्हें जवाबी कार्यवाही के लिए प्रोत्साहित किया है।''

इसका अर्थ है कि राज्य सरकार की लिखित अनुमति के बिना राज्य में सी.बी.आई. किसी भी केस की जाँच नहीं कर सकती है।

पाटिल ने कहा कि सी.बी.आई. के एक्शन से राज्य सरकार के मन में संदेह पैदा हो रहा है। हमने जितने भी केस सी.बी.आई. को रैफर किए हैं उन सभी में सी.बी.आई. ने चार्जशीट दायर नहीं की है। कई केस लंबित हैं। यही नहीं कई मामलों में तो उन्होंने जाँच तक करने से मना कर दिया है। विपक्षी दल शासित अधिकांश राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल आदि ने पहले ही सहमति वापस ले ली है। अब इसमें कर्नाटक भी शामिल हो गया है।

अब ट्रायल कोर्ट ने सी.एम. को पुलिस केस फेस करने का आदेश दिया है और विपक्षी पार्टी भाजपा मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांगकर रही है। पार्टी का कहना है कि राज्य की पुलिस मुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

100 करोड़ रूपए के मानहानि केस में संजय राउत को 15 दिन जेल की सजा

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। भाजपा नेता की पत्नी द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत दोषी करार दिए गए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा द्वारा शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत पर मानहानि का केस दर्ज कराया था। आज इस मामले में मजगांव कोर्ट ने मानहानि

- राउत ने भाजपा नेता किरीट सोमैया व उनकी पत्नी पर शौचालय निर्माण की राशि के घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया था। जिसके बाद सोमैया ने 100 करोड़ रूपये की मानहानि का केस दायर किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर, आधुनिकतम शहर बनेगा कर्नाटक में

इस इकोफ्रेंडली शहर को ''नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन'' का वैश्विक केन्द्र बनाया जाएगा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। कर्नाटक, जो कि हमेशा भाजपा- नीत केन्द्र सरकार के सौतेले व्यवहार की शिकायत करता है, ने अपने अत्याधुनिक शहर के.डब्ल्यु.आई.एन. (नॉलेज, वैलबीईंग, एण्ड इनोवेशन अर्थात क्विन) बनाने का काम शुरु कर दिया है। यह मेगा प्रोजैक्ट बैंगलूरु के समीप है। इसका लक्ष्य बैंगलुरु की भीड़ को कम करना है। यहां उन वैश्विक कम्पनियों को विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर दिया जाएगा, जो भारत को अपना घर बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शहर के डिज़ाइन का अनावरण किया और कहा कि क्विन सिटी का लक्ष्य एक गतिशील, इकोफ्रैंडली महानगर बनाने का है, जिसमें 5 लाख लोग रह सकेंगे।

यहां 465 एकड़ में फैला सोलर फार्म होगा, जो पूरे शहर की बिजली की जरुरत पूरी करने के लिए 0.69 मिलियन मेगावॉट बिजली बनाने में सक्षम होगा। यह भविष्य का महानगर होगा। जिसमें चार जिलों नॉलेज, हैल्थ, इनोवेशन और रिसर्च के लिए पर्याप्त बिजली, पानी होगा, हरियाली होगी और यहां सर्वश्रेष्ठ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिलेगा।

क्विन सिटी किसी भी राज्य सरकार का अब तक सबसे विस्तृत रियल एस्टेट प्लान होगा, राज्य की राजधानी के अलावा। यह डाबास्पेट और डोड्डाबल्लापुर के बीच में होगा जो कि कैम्पेगौडा एयरपोर्ट से 60 किलोमीटर दूर और बैंगलुरु -पुणे ग्रीन फील्ड एक्सप्रैस वे से मात्र 5 किलोमीटर दूर है। इस प्रकार इसका इन्ट्रा व इंटर ट्रांसपोर्ट सिस्टम एकदम सुनियोजित होगा तथा

- बैंगलूरु के समीप स्थित यह शहर 5,800 एकड़ में बसेगा, जिसमें 465 एकड़ में फैला सोलर फार्म बनाया जाएगा जो शहर के उपयोग के लिए पर्याप्त बिजली उत्पादन करेगा।
- इस शहर में 5 लाख लोगों को बसाने का लक्ष्य है। विश्वस्तरीय कम्पनियों को इस शहर में लाने के प्रयास किए जाएंगे।
- यह शहर बैंगलूरु-पुणे-ग्रीन फील्ड एक्सप्रैस वे से मात्र 8 किलोमीटर दूर होगा। इस प्रकार इसकी, राज्य के व राज्य के बाहर के शहरों से बेहतर कनैक्टिविटी होगी।

इसका बैंगलौर -हुबली- मुम्बई एक्सप्रैस रेल मार्ग से सीधा सम्पर्क है और यह नैशनल हाइवे 44 तथा 648 के भी निकट है। उद्योग विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कर्नाटक लम्बे समय से भारत का ''इन्टलैक्चुअल पावर हाउस'' रहा है। यहां 50 से ज्यादा विश्वविद्यालय, 230 इंजीनियरिंग कॉलेज, 1700 आई.टी.आई. हैं। हमारे राज्य में देश का सबसे बड़ा ''नॉलेज पूल'' है। ये सिर्फ संस्थान नहीं हैं, बल्कि बदलाव के उत्प्रेरक और राज्य को की ग्रोथ को बढ़ाने वाले हैं।''

क्विन सिटी का लक्ष्य विश्व के 500 प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को भारत में कैम्पस स्थापित करने के लिए आकर्षित करना है। ये कदम शिक्षा व उद्योग के रिश्ते को मजबूत करेंगे और कर्नाटक को वैश्विक शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाएंगे। यहां लाइफ साईंस पार्क भी बनेगा जो क्विन सिटी को एशिया का प्रमुख मैडिकल शिक्षा केन्द्र बना देगा। इसके लिए देश और दुनिया के टॉप अस्पतालों को यहां आने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस वॉक-टू-वॉक मॉडल में यहां के निवासी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के सही तालमेल का लुत्फ उठा पाएंगे। इसमें कार्बन उत्सर्जन में भी भारी कमी होगी। इसमें उच्चस्तरीय जीवन शैली का प्रतिनिधित्व करने वाली आधुनिक सुविधाएं होंगी।

क्विन सिटी के विज़न में योगदान देने वाले एडवायज़री बोर्ड में बायोकॉन की अध्यक्ष किरण मजूमदार शॉ, नारायणा हैल्थ के संस्थापक डॉ. देवी शैट्टी, बॉस्टन युनिवर्सिटी के बोर्ड ट्रस्टी रैंच किम्बैल, वैक्सफर्ड साईन्स एण्ड टैक्नॉलजी के एग्ज़ीक्युटिव वाइस प्रैसिडैंट थॉमस ओशा, इन्फोसिस के पूर्व सी.एफ.ओ. एवं बोर्ड सदस्य मोहनदास पै, जैरोधा के सहसंस्थापक निखिल कामथ, एक्सेल के पार्टनर प्रशांत प्रकाश, चीफ कार्डियोथोरैसिक एवं वैस्कुलर सर्जन डॉ. विवेक जावाली, यू.टी. ऑस्टिन में इनोवेशन ऑन्त्रैप्रैन्यॉरशिप के स्टीफन एस. एक्कर और पेरिस के पॉलिटैक्नीक इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष डॉमिनिक रॉसिन शामिल हैं।

यमुना एक्सप्रेस वे पर 1 अक्टूबर से टोल बढ़ेगा

ग्रेटर नोएडा, 26 सितंबर। यमुना एक्सप्रेस का सफर एक अक्टूबर से महंगा हो जाएगा। यमुना प्राधिकरण के बोर्ड की मीटिंग में टोल बढ़ाने की मंजूरी मिल गई है। जानकारी के अनुसार, यमुना प्राधिकरण ने टोल की दरें चार प्रतिशत बढ़ा दी हैं। टोल की नई दरें एक अक्टूबर से लागू होंगी। इससे पहले प्राधिकरण ने साल 2022 के मार्च में टोल की दरों में 12 प्रतिशत इजाफा किया था।

- ग्रेटर नोएडा से आगरा तक अब कार चालकों को 295 रुपये तथा बस चालकों को 935 रुपये टोल देना पड़ेगा।

जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक कार चालकों को अब 295 रुपये टोल देना होगा। इससे, कार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सच्चा पड़ौसी वह नहीं जो तुम्हारे साथ उसी गली में रहता है बल्कि वह है जो तुम्हारे विचार स्तर पर रहता है। –रामतीर्थ

मानवता की सफलता सामूहिक शक्ति में है, युद्ध के मैदान में नहीं - पीएम मोदी

भारत का अपना संविधान है, जिसे भारत के लोगों द्वारा बनाया गया है और स्वयं को समर्पित किया। इसे संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकार किया गया। यह संविधान 26 जनवरी, 1950 से पूर्ण रूपेण लागू हुआ। भारत एक गणराज्य है। यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

भारत में सन् 1951–52 को पहली बार आम चुनाव हुये थे। लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराये गये थे। सन् 1967 में राज्य की विधान सभायें भंग हुई थीं, उस समय तक यह व्यवस्था रही। एक देश–एक चुनाव होता रहा। 1967 के बाद अब यह स्थिति पैदा हो गई है कि देश में लोकसभा और विधान सभा के चुनाव कभी भी होते रहते हैं। हमारे देश में पंचायतों व लोकसभा आदि का कार्यकाल 5 वर्ष का है। कभी भी चुनाव होने के फलस्वरूप देश का विकास रूक जाता है। शासन पर भी भारी दवाब बढ़ जाता है। चुनाव के दौरान सरकारें अपनी नई योजनाओं की घोषणा नहीं कर पाती हैं। चुनावों का खर्चा भी बढ़ जाता है। व्यवस्थायें ढ़ीली पड़ जाती हैं। राजनीतिक गतिविधियां उलझ जाती हैं। नेतागण अपने क्षेत्र में काम न कर, चुनाव क्षेत्र में दिखाई देते हैं। व्यवस्थायें शिथिल हो जाती हैं। दुर्भाग्य है आपसी कटुता गहरी हो जाती है। समरसता खो जाती है।

कई वर्षों से इस ओर सुधार के कदम उठाने की बातें उठती हैं और सुधार न होकर अव्यवस्थायें अधिक पनप रही हैं।

वर्तमान में राजनीति में कटुता बढ़ रही है। नेतागण एक दूसरे की शक्ल नहीं देखना चाहते। सभी नेतागण यह तो मानते हैं कि चुनाव सुधारों की दिशा में कुछ योजनायें बनायें। खर्चा कम करने व समय की बरबादी को रोकें; किन्तु स्थिति बिगडती जा रही है।

विशेषतौर पर कांग्रेस व बीजेपी के मध्य जो अविश्वास की लकीरें खिंच रही हैं, वे बढ़ती जा रही हैं। मोदीजी व राहुलजी के मध्य संबंध इतने कटु हो चुके हैं कि मोदीजी की प्रत्येक बात को, कार्य को, योजना को राहुलजी नकारते दिखाई देते हैं।

देश की राजनीति हरियाणा व जम्मू कश्मीर के चुनावों में फंसी हुई है और इसी समय वन नेशन वन इलेक्शन का नारा भाजपा ने दे दिया। दूसरी ओर राहुलजी ने जाति जनगणना कराने को आरक्षण के लिये आवश्यक एजेण्डा निर्धारित कर दिया है।

केन्द्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक देश एक चुनाव की समस्या को हल करने के हेतु एक कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने अपनी सिफारिशों के साथ रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सौंपी है। इसके अनुसार दो चरणों में सन 2029 तक इन सिफारिशों को लागू किया जावेगा। पहले चरण में लोकसभा व विधान सभाओं के चुनाव एक साथ होंगे और दूसरे चरण में 100 दिन के भीतन पंचायतों के व नगरपालिकाओं के चुनाव कराना प्रस्तावित है।

यह माना जाता है सन 2029 में सभी चुनाव एक साथ सम्पन्न होंगे। सभी चुनावों के लिये एक ही वोटर लिस्ट काम में ली जावेगी।

सरकार की मंशा है कि शीतकालीन सत्र में इस पर अमल प्रारम्भ हो जाये। सरकार का प्रयास होगा कि एक देश एक चुनाव के लिये सर्व सम्मति बनाई जावे। सभी पक्षों से वार्ता होगी। सरकार ने घोषणा की है कि एक क्रियान्वयन कमेटी का गठन भी किया जावेगा।

वन नेशन वन इलेक्शन के महत्व को समझने के लिये हमें पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की रिपोर्ट के महत्व को समझना होगा। श्री रामनाथ कोविंद यशस्वी देश के राष्ट्रपति रहे और गतिशीलता के साथ उन्होंने अपने दायित्व को निभाया। वे एक अच्छे एडवोकेट भी रहे हैं उन्हें संविधान की पूरी जानकारी है। उनकी अध्यक्षता में गठित कमेटी में भी देश के प्रसिद्ध बुद्धिजीवी थे। सभी राजनीतिक पार्टियों को वार्ता का अवसर दिया गया था। 47 राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने अपने विचार साझा किये थे। 15 राजनीतिक पार्टियों को छोड़कर शेष 32 ने एक राष्ट्र एक चुनाव के कार्यक्रम को समर्थन दिया था। देश के प्रसिद्ध संविधान विशेषज्ञों ने, जिनमें श्री सुभाष कश्यप व श्री हरीश साल्वे ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये थे। कमेटी के अन्य सदस्य थे गृहमंत्री श्री अमित शाह, श्री गुलाव नवी आजद, श्री संजय कोठारी आदि थे। आमंत्रित सदस्यों में श्री अर्जुन मेघवाल व डा. नितिन चन्द भी थे। लगभग 191 दिनों में कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। रिपोर्ट 18626 पृष्ठों की है।

देश का शासन इस समय दृढ़ संकल्प और दृढ़ निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी के हाथ में है, जो कई बार परीक्षा में पास हो चुके हैं। चाहे वह नोटबंदी की हो अथवा कोरोना या सर्जिकल स्ट्राइक की अथवा अनुच्छेद 370 की समाप्ति का। इरादे बुलंद हों तो उन्नति के शिखर पर पहुंचना कठिन नहीं है। एक देश-एक चुनाव की प्रक्रिया एक क्रान्तिकारी कदम है जो भारत को विकास की ऊँची चोटी पर पहुंचायेगा।

एक देश–एक चुनाव का अधिकांश लोगों ने समर्थन किया था। विरोध करने वाली पार्टियों में मुख्य थे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, कांग्रेस आदि। मल्लिकार्जुन खडगे कांग्रेस अध्यक्ष ने एक देश–एक चुनाव को सर्वथा अव्यवहारिक कहा है। उन्होंने इस संविधान व संघवाद के विरूद्ध माना है।

समर्थन करने वालों ने न केवल साथ साथ चुनावों का समर्थन किया, अपितु संसाधनों की बचत होने का उल्लेख किया। इनका मत था कि साथ साथ चुनावों से सामाजिक तालमेल, समरसता को बल मिलेगा, आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इन लोगों ने विकल्प अपनाने की पुरजोर अपील की और वकालत भी की।

एक देश–एक चुनाव के विकल्प का विरोध भी हुआ। विरोध करने वालों का कहना था कि इसे अपनाने से संविधान की मूल संरचना खण्डित होगी। यह व्यवस्था राष्ट्रपति शासन की ओर ले जायेगी। इस व्यवस्था को वे अलोकतांत्रिक मानते हैं। ओवेसी ने कहा इसके फायदे भी हैं, नुकसान भी।

सब पार्टियों ने स्वीकार किया है कि सन् 1951–52, 1957, 1962 व 1967 में जो चुनाव हुये उस समय लोकसभा व विधान सभा चुनावों की मतदाता सूची एक थी।

कमेटी की सिफारिश है कि (1) पहले हर दस साल में दो चुनाव होते थे; अतः व्यवस्था की दृष्टि से, विकास को गति देने हेतु एक देश–एक चुनाव उचित विकल्प है। (2) चुनाव दो चरणों में हो। (3) एक मतदाता सूची व पहिचान पत्र बने (4) संविधान में आवश्यक संशोधन हों। (5) पांच वर्ष में चुनाव होने से सरकार प्रत्येक वर्ष आलोचना से बचेगी और अधिक सक्रियता से अपना कार्य व देश का विकास करेगी (6) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की है कि एक देश–एक चुनाव लोकतंत्र की मजबूती और विविधता की ओर बढ़ाया गया, बडा कदम है। (7) लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ कराने के लिये राज्यों के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। अनुच्छेद 83 (संसद की अवधि) अनुच्छेद 172 राज्य विधान मंडलों की अवधि में संशोधन करना होगा नया संशोधन 82क लाया लावेगा और इस हेतु बिल प्रस्तुत करना होगा। यह कार्य बिना राज्यों की सहमति के होगा।

कुछ राजनीतिक पार्टियों का कथन है कि एक देश–एक चुनाव में खर्चा बहुत बढ़ जावेगा। एक चुनाव में 26 लाख ईवीएम भी कम पडेंगे। वेयर हाउस की समस्या की किल्लत परेशान करने वाली है। पोलिंग बूथों की संख्या लोकसभा के लिये चुनावों में सन् 2024 में 12 लाख थी अब 2029 में यह संख्या 13 लाख 47 हजार से अधिक होगी विधानसभा के यदि साथ–साथ चुनाव हुये तो यह संख्या और भी अधिक हो जावेगी। एक अनुमान के हिसाब से 7951 करोड का अतिरिक्त भार आयेगा।

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने एक देश–एक चुनाव की महत्ता को अपनी रिपोर्ट में माना है। कानूनानुसार कार्यवाही करने में जो भी खर्चा आयेगा, उसे बहन तो करना ही होगा। देश अपने यान का चांद की सतह पर भेजने का खर्चा उठा रहा है, इसके खर्चे को भी वहन करेगा। देश सिर ऊँचा कर जीना जानता है। इसके किसी को शक करने की गुंजायश नहीं है, भारत विकास और उन्नति के मार्ग पर है।

देश का शासन इस समय दृढ़ संकल्प और दृढ़ निर्णय लेने वाले प्रधानमंत्री मोदी के हाथ में है, जो कई बार परीक्षा में पास हो चुके हैं। चाहे वह नोटबंदी की हो अथवा कोरोना या सर्जिकल स्ट्राइक की अथवा अनुच्छेद 370 की समाप्ति का। इरादे बुलंद हों तो उन्नति के शिखर पर पहुंचना कठिन नहीं है।

एक देश–एक चुनाव की प्रक्रिया एक क्रान्तिकारी कदम है जो भारत को विकास की ऊँची चोटी पर पहुंचायेगा। अमरीका, फ्रान्स, स्वीडन, साउथ अफ्रीका, फिलिपिन्स आदि देशों में सभी स्तर पर एक साथ चुनाव होते हैं।

पंचतंत्र की एक कहानी से अपनी बात समाप्त करना चाहूँगा। देश के जंगल में सभी प्रकार के जानवर थे। शेर, हाथी, घोड़ा, ऊंट, गधा आदि। शेर जंगल का राजा शेर था। सभी जानवर शेर को बहुत इज्जत देते थे। यह भी सच था कि ऊँट सबसे कुरूप जानवर था और गधा आवाज सें कर्कश। ऊँट व गधे को अन्य जानवर अपने पास भी नहीं बिठाना पसन्द करते। सब शेर के गीत गाते थे। यह बात ऊँट व गधे को पसन्द नहीं थी। एक दिन उन्होंने यह निर्णय लिया कि जब कोई हमसे बात नहीं करता है तो हम तो एक दूसरे को महिमा मंडप कर सकते हैं। उन्होंने निर्णय लिया कि जब भी कोई शेर पक्ष के जानवर हमारे पास आवे तो हम दूसरे की प्रशंसा प्रारम्भ कर दें। ऊँट ने गधे से कहा तुम मेरे लिये कहना 'अहोरूपम' और मैं तुम्हारी आवाज सुनकर कहूँगा 'अहोध्वनि'। आज विपक्ष के नेताओं के चाहने वाले अपने ही लोगों के लिये 'अहोरूपम', 'अहोध्वनि' की वाणी बुलन्द कर रहे हैं। शासन पक्ष यह जानते हुये कि उनके पास पर्याप्त मत नहीं है, फिर भी एक देश–एक चुनाव का नारा बुलन्दगी से कर रहे हैं क्योंकि यह विकल्प देश के विकास के लिये, देश की एकता और अखण्डता के लिये परम आवश्यक है। मोदी जैसा विश्व नेता ही है जो यूएन में सिर ऊँचा कर गर्व के साथ कह सकता है, **Success of humanity does not lie in battle field** हम उस देश के लोग हैं जहां गंगा बहती है। 'अहोरूपम–अहोध्वनि' हमारी संस्कृति नहीं है। देश का विकास हमारी पहली पसंद है।

'एक देश–एक चुनाव' हमारा लक्ष्य है।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

"डिजिटल अरेस्ट" की बढ़ती घटनाओं का खौफ और बेपरवाह मोबाइलधारक

मिश्रीलाल पंवार

बदलते टैक्निकल दौर में मोबाइल एक तरफ आदमी की पहली प्राथमिकता बन गई है,वहीं इसके द्वारा साइबर माफिया खूब फल–फूलने लगा है। लोग इस खतरे से बेपरवाह है। परिणाम यह होता है कि वह साइबर फ्राड का आसानी से शिकार हो जाता हैं। इस बदलते आधुनिक युग में आम जनजीवन पर डिजिटलाइजेशन का खास प्रभाव है।डिजिटलाइजेशन की वजह से अब साइबर ठग भी दिन–प्रतिदिन हाईटेक होते जा रहे हैं। साइबर ठग हर दिन नए–नए तरीकों से ठगी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में इन दिनों साइबर ठगी का एक नया तरीका 'डिजिटल अरेस्ट' सामने आया है। डिजिटल अरेस्ट एक ऐसा शब्द है जो कानून में नहीं है। लेकिन, अपराधियों के इस तरह के बढ़ते अपराध की वजह से इसका नामकरण हुआ है।

जोधपुर में पिछले कुछ दिनों से 'डिजिटल अरेस्ट' की हो रही घटनाओ ने लोगों का ध्यान इस तरफ खींचा है। अत्यंत चिंताजनक बात यह है कि लोग देख–सुन कर भी लापरवाही बरत रहे है। आश्चर्यजनक तो यह है कि इन घटनाओं का शिकार होने वाले हाई–फाई सोसायटी के लोग हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामले इन दिनों तेजी से बढ़ रहे हैं। डिजिटल अरेस्ट के जरिए साइबर ठग आसानी से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। जोधपुर में इसी माह तीन पढ़ी–लिखी महिलाएं इसका शिकार हो चुकी हैं।

साइबर ठगी का पहला मामला पिछले दिनों सामने आया था। ठग ने एक आईटीआई महिला प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट कर उससे 13 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी साइबर ठग ने पकड़ा महिला प्रोफेसर को मनी लॉन्ड्रिंग में आरोपी बताकर और खुद को मुंबई क्राइम ब्रांच का बड़ा अधिकारी बात कर इतना डराया कि उसने उसकी हर बात माननी शुरू कर दी। उसके बाद उन्होंने आरटीजीएस और चेक के जरिये करीब 13 लाख रुपये की ठगी को अंजाम दे दिया। इसके एक सप्ताह बाद ही साइबर अपराधियों ने जोधपुर के डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की सेवा निवृत्त प्रोफेसर को निशाना बनाया । इस सेवा निवृत्त महिला प्रोफेसर को लगभग 14 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट कर उसके खाते से 87 लाख से अधिक की रकम हड़प ली है। पीड़ित महिला डॉक्टर को शातिरों ने कस्टम विभाग के अधिकारी बनकर बात की और पार्सल में ड्रग्स और फर्जी एटीएम कार्ड होने की जानकारी देते हुए 87 लाख रूपए खातों में डलवा दिए।

सेवानिवृत महिला डॉक्टर अरूणा सोलंकी ने बताया कि 31 जुलाई को उनके मोबाइल पर किसी शख्स प्रमोद कुमार का वाट्सअप कॉल आया था और खुद को मुंबई कस्टम विभाग का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके द्वारा ग्लोबल इंटरनेशनल को एक पार्सल भेजा गया था जिसमें ड्रग्स, फर्जी एटीएम कार्ड और अन्य सामान भेजा गया है। आपको गिरफ्तार किया जाएगा। इस पर सेवानिवृत अरूणा सोलंकी ने कहा कि उनके द्वारा कोई पार्सल नही भेजा गया है तो शातिर प्रमोद कुमार ने अपने सीनियर ऑफिसर सुनील कुमार से बात कराई। इस पर सुनील कुमार ने उक्त जानकारी के साथ ही चार पत्र वाटसअप पर भेजे जिसमें सीबीआई अरेंस्टिंग, वारंट, एसेज ऑर्डर एवं केस के बारे में जानकारी थी। फिर शातिर ने उनसे बैंक एकाउंट एवं प्रोपर्टी के बारे में जानकारी मांगते हुए आधार कार्ड नंबर आदि लिए। बाद में उन्हें किसी अनिल यादव से बात कराई।

अनिल यादव नाम के शख्स ने कहा कि उन्हें सब बातों से बचना है तो वे 51 लाख रूपए आर्मी डिमाउंड के नाम पर ट्रांसफर करें। इसके बाद उसने ब्यूइल एसीकेस में 8 लाख मांगे। अन्य 28 अगस्त को अरेस्ट की धमकीं दी गई। बदमाशों ने 3 एफडीएस में लीगल एक्शन के लिए 21 लाख की डिमाण्ड रखी। सेवानिवृत डॉक्टर अरूणा सोलंकी घबरा गई और उन्होंने अपनी एफडी तुड़वाकर उनके खातों में 21 लाख रूपए जमा करवाए। 3 सितंबर को बदमाशों ने उन्हें नो क्राइम बॉण्ड प्राप्त करने के लिए जिसके एवज में 5 लाख रूपए मांगे गए। तब डॉक्टर अरूणा ने यह सब करने से मना कर दिया। इस पर उन्होंने धमकाया कि वे देश–विदेश में कहीं भी यात्रा नहीं कर पाएंगी। इसलिए बॉण्ड भरना पड़ेगा, तब उन्होंने फिर 2 लाख रूपए उनके खातों में भेज दिए। कुल मिलाकर सेवानिवृत महिला डॉक्टर अरूणा सोलंकी से 87 लाख रूपए ऐंठ लिए गए। बाद में उन्हें ठगी का अहसास हुआ। इसी तरह दो दिन पहले महिला दंत चिकित्सक को डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाते हुए साइबर ठग ने छह लाख रूपए ऐंठ लिए।

इस बार व्यास डेंटल कॉलेज की डॉक्टर नम्रता माथुर साइबर लूटेरों की शिकार हुई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 20 सितंबर को शाम 04.15 बजे उनके वाटसएप्प नंबर पर वीडियो कॉल आया ।जिसमें आदमी दिखाई दे रहा था जिसके पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी, उसने अपना नाम विजय खन्ना बताया एवं बोला कि आपके नाम का एक खाता कैनरा बैंक मुंम्बई में खोला गया। आपके खाते में अनाधिकृत रूप से पैसा आया है। फिर उन्होंने बोला आप, अस्पताल से सीधा घर पर चले जाओ किसी को इस बारे में बताना नहीं है। फिर उसने वाटसएप्प पर नरेश गोयल मनी लॉड्रिंग केस के दस्तावेज की दो कॉपी भेजी। जिसमे लिखा था कुल 247 एटीएम कार्ड बरामद हुए है जो अलग–अलग कार्ड होल्डर के नाम के है एवं सीबीआई इसकी जांच कर रही है। यह जांच आकाश कुलकर्णी द्वारा निर्मित की गई है। उसके बाद उसने सर्विलांस रूल्स एंड रेगुलेशन का पीडिएफ भेजा ओर वाटसएप्प विडियों कॉल ऑन रखने का बोला व किसी से बात नहीं करने का बोला। यदि किसी से बात करना है तो वाटसएप्प कॉल ऑन करके बात करनी है। उसके बाद उसने बोला कि आप पूरी रात वीडियो कॉल ऑन करके हमारे सामने रेस्ट करोगी एवं बोला कि आपको 24 घंटे के लिए डिजिटल अरेस्ट पर रखा जा रहा है।

आरोपी द्वारा पूरी रात वीडियों कॉल ऑन रखा गया। 21 सितंबर की सुबह 8.55 मिनट पर वाटसएप्प नंबर पर वीडियो कॉल आया जिसने अपना नाम ऑफिसर विजय खन्ना बताया। फिर वह कॉल चलता रहा। फिर उसने वाटसएप्प पर डिजिटल कस्टडी का पीडिएफ भेजा। उसने बोला कि आप राहुल गुप्ता वेच नंबर एफ ए 263521 के नाम सिंकिग प्रायरटी इनवेस्टिकेशन के लिए एपलिकेशन लिखो। तब उनके कहे अनुसार एपलीकेशन लिखी तब उन्होंने एपलीकेश अप्रवुल का पीडिएफ भेजा। उसने सुप्रीम कोर्ट को सिक्रेट सुपरविजन एकाउंट के साथ एकाउंट जोडऩे का बोला तब उनके कहेनुसार एप्पलीकेशन लिखी।

–छह लाख भेजने को कहा

इस पर शातिर ने बाद में कहा कि तुरंत कैनरा बैंक में जाकर खाता नंबर बैंक आईसीआईसी बैंक आईएफएससी कोड पर 6 लाख रूप्ये भेजो। तब 06 लाख रूपए आरटीजीएस से किए थे। खाता धारक का नाम न्यु समा रोडवेज आया था। डाक्टर ने उसके खाते में 6 लाख रूपए भेज दिए।

डॉक्टर नम्रता माथुर के अनुसार आरोपी ने बोला कि आपके और भी किसी बैंक में खाता है। तब बोला मेरा एक खाता एसबीआई में है तब शातिर ने उस अकाउंट से 06 लाख रूपए दूसरे खाता संख्या पर भेजने को कहा। इस पर परिवादी को शक हो गया कि उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया गया है और साइबर ठगी की जा रही है। इसके बाद उन्होंने रुपए नहीं भेजे और पुलिस की शरण ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसमें ठगी करने के 4–5 तरीके होते हैं। जैसे, किसी कूरियर का नाम लेकर कि इसमें गलत सामान आया है। कुरियर में ड्रग्स है, जिसकी वजह से आप फंस जाएंगे। आपके बैंक खाते से इस तरह के ट्रांजैक्शन हुए हैं जो फाइनेंशियल फ्रॉड रिलेटेड हैं। मनी लॉन्ड्रिंग, एनडीपीएस का भय दिखाकर अधिकतर उन लोगों को फंसाया जाता है, जो पढ़े–लिखे और कानून के जानकार होते हैं। ऐसे लोगों को डराकर उनसे डिजिटल माध्यम से फिरौती मांगी जाती है। अगर उनके खातों में पैसे नहीं हैं तो उनको लोन दिलवाया जाता है। कई बार उनके पास लोन लेने वाले एप्स नहीं होते हैं तो उन एप्स को भी डाउनलोड कराया जाता है। कई बार दो से तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा जाता है। लोगों को चाहिए वे बेपरवाह ना रहे। किसी भी अज्ञात का फोन अटेण्ड करते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी भी प्रकार का शक होने पर पुलिस को तुरंत सूचना देनी चाहिए।

–मिश्रीलाल पंवार, जोधपुर

मंडावा ठाकुर अंगद देव के सार्थक प्रयासों से श्रवण सिंह की रोमानिया से भारत वापसी हुई

- **ठाकुर अंगद देव ने रोमानिया में भारतीय दूतावास में राजनयिक वीरेन्द्र और रोमानिया की संसद में भारतीय मूल के सांसद भवानी जोबोट से बात कर श्रवण सिंह की भारत वापसी कराई**
- **तोगावास (चूरू) का श्रवण सिंह पुत्र मदन सिंह जो कि रोमानिया में नौकरी के लिए गया था,छः माह से उसका कोई अता-पता नहीं था**

जयपुर। मंडावा ठाकुर अंगद देव के सार्थक और उच्चस्तरीय प्रयासों से तोगावास (चूरू) के श्रवण सिंह पुत्र मदन सिंह की रोमानिया से सकुशल घर वापसी हुई है। श्रवण के चाचा जो हर तरह से निराश होकर अपने भतीजे की सकुशल घर वापसी के लिए एक माह पहले मंडावा ठाकुर अंगददेव से मिले और उनको अपने परिवार के सदस्य अपने भतीजे श्रवण जो पिछले दो साल से रोमानिया में नौकरी के लिए गया था, उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

बताया कि पिछले छः माह से उसका कोई अता–पता नहीं है और सरकार भी कोई मदद करने की स्तिथि में नहीं है क्योंकि उसका सभी से संपर्क नहीं हो पा रहा है वो रोमानिया में लापता हैं जो एक कंपनी में नौकरी करने गया था, कोई कारण वश वो कंपनी बंद हो गई और श्रवण और उसके साथियों को वापस वतन वापसी के लिए भेज दिया तो इनका वीजा खत्म हो गया और श्रवण का वहा पर पासपोर्ट खो गया। वह वहां पर छोटी उम्र होने और पराए देश में होने के कारण डर गया और उसी डर के कारण अपने आपको छुपाते रहा। ऐसे ही हालातों में छः माह का समय बीत गया। इसी बीच यहां श्रवण के घर पर घरवालों ने सब जगह जाकर भी कोई उम्मीद नहीं दिख रही थी तो मंडावा के पास ही के गांव में श्रवण के परिजनों की रिश्तेदारी में ये बात पता चली तो उन्होंने श्रवण के परिजनों को ठाकुर अंगद देवजी से मिलवाया और अपने परिवार के लाडले के रोमानिया में लापता होने के बारे में बताया तो ठाकुर अंगददेव ने परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए आस्वश्त किया और उसी दिन से इस मुश्किल जिसके बारे में कोई अता–पता नहीं, मिशन की शुरुआत हुई।

ठाकुर अंगद देव जी ने अपने उच्चस्तरीय संबंधों से रोमानिया में भारतीय दूतावास में राजनयिक वीरेन्द्र को इस मामले से पूरी तरह से अवगत कराया और उनसे श्रवण को ढूंढने में मदद करने की बात की। इसी दौरान अपने और एक उच्चस्तरीय संबंध रोमानिया की संसद में भारतीय मूल के सांसद भवानी जोबोट से बात हुई। आखिरकार अंगद देवजी के अथक और उच्चस्तरीय प्रयासों का सार्थक परिणाम श्रवण को खोज निकाला। श्रवण जो छः माह से लापता था। उसको ठाकुर अंगद देव और उनके साथ भारतीय दूतावास के वीरेंद्र और रोमानिया सांसद भवानी जोबॉट ने खोज निकाला। इस खबर से चिंतित परिवार जनों के चेहरे की चिंता बहुत हद तक दूर हुई।

ठाकुर अंगद देव के कहने पर भारतीय दूतावास ने और भारतीय मूल के सांसद भवानी रोबॉट ने श्रवण का जो ना बोलने की स्थिति में था ना चलने की स्थिति में था का वहां पर उपचार करवाया और फिर उसके सारे डॉक्यूमेंट जो खो गए थे उनको वापस बनवाए और श्रवण को भारत वापसी करवाई। आखिरकार ठाकुर अंगददेव जी के एक माह के सघन प्रयासों से श्रवण की भारत वापसी हुई।

गांधीसागर झील को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण हेतु एनजीटी में याचिका दायर

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सेन्ट्रल जोन भोपाल के न्यायिक सदस्य शिवकुमार सिंह व एक्सपर्ट मेम्बर डॉ. अफरोज अहमद की बैंच ने भीलवाड़ा निवासी पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की अधिवक्ता लोकेंद्र सिंह कच्छावा के मार्फत प्राचीन गांधीसागर झील को स्वच्छ एवं अतिक्रमणमुक्त कर सौंदर्यीकरण हेतु दायर की गई याचिका दर्ज करते हुए स्थानीय निकाय विभाग के प्रमुख सचिव, प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव, भीलवाड़ा जिला कलेक्टर एवं नगर परिषद आयुक्त को नोटिस जारी कर 11 नवंबर से पूर्व जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता पर्यावरणविद् जाजू ने बताया कि गांधीसागर झील में जा रहे गंदे पानी के नालों को रोकने, अतिक्रमण हटाने एवं झील के सौंदर्यीकरण हेतु पूर्व में भी याचिका नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में दर्ज कराई थी जिसमें नगर परिषद भीलवाड़ा द्वारा 6 माह में गंदे पानी के नालों को झील में जाने से रोकने व तालाब का सौंदर्यीकरण करने का आश्वासन दिया था जो 10 साल बीत जाने के बाद भी नहीं हुए। जिसके चलते जाजू को फिर से एनजीटी में गुहार के लिए मजबूर होना पड़ा। एनजीटी ने जिला कलेक्टर भीलवाड़ा एवं प्रदूषण नियंत्रण मंडल से संयुक्त कमेटी बनाकर गांधीसनगर झील की वास्तविक स्थिति की 6 सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी आदेश दिए। जाजू ने बताया कि गांधीसागर तालाब के विकास पर अब तक लगभग 8 से 10 करोड़ रूपया खर्च होने के बावजूद इसका विकास के बजाय विनाश ही हुआ है। जाजू ने याचिका में गंदे पानी के नालों को रोकने, झील की सफाई करने, ईटीपी प्लांट लगाने, झील का सीमांकन कराने, अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण करने, एनवायरनमेंट कंपनसेशन वसूल करते हुए उसे गांधीसागर झील की बेहतरी के लिए खर्च करने, नौका विहार शुरू करवाकर इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर भीलवाड़ा वासियों को सौगात देने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद द्वारा तालाब की भूमि का पेट्रोल पंप के लिए अवैध रूप से पूर्व में बेचान किया था उसे भी जाजू ने 18 साल तक प्रयास कर न्यायालय में याचिका दायर कर निरस्त करवाया था। गांधी सागर तालाब को तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने देखकर सबसे गंदा तालाब बताकर नाराजगी व्यक्त की थी। वहीं भीलवाड़ा में पिछले 15 वर्षों में जो भी जिला कलेक्टर रहे उन्होंने गांधी सागर तालाब की गंदगी साफ कर परिषद को सौंदर्यकरण के लिए निर्देश दिए, बावजूद इसके गांधी सागर तालाब की स्थिति बजाये सुधरने की बिगड़ी है।

राशिफल शुक्रवार 27 सितम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र रात्रि 1:21 तक, शिव योग रात्रि 11:33 तक, विष्टि करण दिन 1:21 तक, चन्द्रमा कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–मिथुन, बुध–कन्या, गुरू–वृष, शुक्र–तुला, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 1:21 तक है। आज एकादशी का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:51 तक, लाभ–अमृत 7:51 से 10:49 तक, शुभ 12:18 से 1:47 तक, चर 4:45 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:14

मेष

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

घर–परिवार में कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मकर

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

अवैध मादक पदार्थ सहित आरोपी धरा

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ व हथियार सहित आरोपी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेशओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र बोरीवाल के सुपरविजन में अम्बामाता थानाधिकारी डॉ.हनवंतसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान एसआई मुगलाराम के नेतृत्व में गठित दल ने गश्त के दोरान अम्बामाता, मल्लातलाई, गांधीनगर, रानी रोड़ से शिल्पठााम रोड़ होते हुए दर्पण द्वार के पास पहुचे। जहां पुलिस दल को देख एक व्यक्ति भागा। इस पर पुलिस जाप्ता ने उसे दबोच कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम मनीष ओड़ पुत्र फतेहलाल निवासी ओड़ बस्ती अम्बामाता बताया। इस पर उसकीतलाश ली तो उसके कब्जे से 18.74 ठााम अवैध गांजा एवं चाकू मिला। इस पर पुलिस ने मादक पदार्थ, हथियार जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। आरोपी मनीष के खिलाफ दो अपराधिक प्रकरण पूर्व में दर्ज है। आरोपी ने पूछताछ में उक्त माल आरोपी मोहम्मद युसुफ मलिक पुत्र मोहम्मद युसुन निवासी अहमद हुसैन कॉलोनी से खरीद कर लाने की बात कही है।जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

धोखे से रजिस्ट्री कराने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। उपचार करवाने के दौरान दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा पीडित की जमीन अपने नाम करवाने वाले व साथियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित मोतीलाल पुत्र चेनाराम भील निवासी पाराखेत ने आरोपी राजेन्द्र कटारिया, खेमराज पुत्र रामा, रमेश पुत्र वाला एवं मावा पुत्र वाला के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि वर्ष 2010 में झगड़ा होने के बाद से आरोपियों से संपर्क था। इस दौरान आरोपी मुझे उपचार करवाने के लिए चिकित्सालय ले गए थे। जहां कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए थे। 5 जून 2024 को आरोपी राजेन्द्र कटारिया जेसीबी मशीन लेकर मेरे खेत पर आया तथा दिवार तोड़ दी। इसका पता चलने पर एतराज किया तो आरोपी ने बताया कि रमेश, वाला पुत्र मावा ने ने जमीन मेरे नाम पर करवाने की जानकारी दी। जबकि जमीन का किसी प्रकार का विक्रय इकरार नहीं किया। इस मामले में हिरणमगरी थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित कर रहे है।

आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला

उदयपुर, (कासं)। युवक ने विषाक्त सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने वाले भाई के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार सायरा थाना क्षैत्र गुन्दाली गांव निवासी भग्गाराम पुत्र भीमाराम गमेती (27) की विषाक्त वस्तु सेवन करने से मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी सीताबाई ने अपने जेठ कालुराम पुत्र भीमाराम निवासी गुन्दाली के खिलाफ पति को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि आरोपी व मेरे पति के बीच लेन देने को लेकर विवाद चल रहा था। इसी के चलते परेशान करने पर पति ने विषाक्त सेवन कर लिया था। जिसकी 24 सितंबर को उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

अज्ञात अधेड़ की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के बडगांव थाना क्षैत्र में गत दिनों मिले अज्ञात अधेड़ को बीमारी हालत में अज्ञात व्यक्ति ने एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जिसकी मौत हो गई थी। इस दौरान हेडकांस्टेबल रणजीतसिंह ने मृतक की जेब से मिली पर्ची के आधार पर कोटा निवासी प्रभूदयाल के रूप में शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी। परिजनों के नहीं लौटने पर पुलिस ने मृतक का पोस्टमर्टम करवा शव का अंतिम संस्कार करवाया।

फार्मेको विजिलेंस सप्ताह का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में 17 से 25 सितंबर तक राष्ट्रीय फार्मेकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजित विविध प्रतियोगिताओं के साथ आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न माध्यमों द्वारा दवाओ के दुष्प्रभाव व उनकी रोकथाम के लिए रिपोर्टिंग जरुरी है विषय पर जानकारी दी गयी। राष्ट्रीय फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर गीतांजलि यूनिवर्सिटी कैंपस में फार्मासिस्ट रैली का आयोजित किया। अतिथि मयूर रावल गीतांजलि यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार उपस्थित रहे । उन्होंने बताया कि फार्मासिस्ट का रिसर्च क्षेत्र मैं बहुत महत्व है और विभिन्न हेल्थ केयर विभागों में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। संस्था के प्रधानाध्यापक, डॉ महेंद्र सिंह राठौड जी ने बताया कि फार्मासिस्ट की स्वास्थ्य विभाग में जिम्मेदारियां व दवाइयां के इस्तेमाल के बारे में जागरूकता फैलाना हम फार्मासिस्ट का कर्तव्य है। कार्यक्रम में पारितोषिक वितरण के दौरान सभी विजेता छात्रों को मोमेंटो और मेडल देकर उनका सम्मानित किया। गीतांजलि यूनिवर्सिटी उदयपुर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल व वाईस चांसलर प्रोफेसर एस. के. लुहाडिया ने कार्यक्रम में उपस्थित फार्मासिस्ट अध्यापक गण व विद्यार्थी गणो को शुभकामनाएं दी।

डॉ. टांक निर्णायक के रूप में आमंत्रित

उदयपुर, (कासं)। हाल ही में जोधपुर में आयोजित राज्य चेस्ट सम्मेलन राजपल्मोकॉन-2024 में पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) हॉस्पिटल, उमरडा के डिपार्टमेंट ऑफ रेस्पिरेटरी मेडिसिन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सान्निध्य टांक को हंस कुमार मेमोरियल गोल्ड मेडल अवार्ड के सर्वश्रेष्ठ पेपर के निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया। इस दौरान डॉ. के.सी. अग्रवाल पोस्ट ग्रेजुएट क्विज का आयोजन किया।

बाइक प्रदर्शनी पर लगाया जुर्माना

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के कलेक्ट्री स्थित जेल के सामने टेंट लगाकर व्यापार प्रदर्शनी करना एक बाइक कंपनी को भारी पडा। गुरुवार को सभापति अमृत कलासुआ और आयुक्त लोकेश पाटीदार के निर्देश पर शहर के कलेक्ट्री मार्ग पर जिला कारागृह के सामने परिषद कार्यालय की बिना स्वीकृति के बाइक प्रदर्शनी करने वाली कंपनी से 6 हजार रुपए का जुर्माना वसूला और भविष्य में बिना परिषद की स्वीकृति के इस तरह की प्रदर्शनी नहीं लगाने हेतु पाबंद किया।

बाल गतिविधियों में नौनिहालों में दिखा उत्साह, मेला सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा उदयपुर संभाग मुख्यालय पर संचालित सूचना केन्द्र को प्रबुद्ध पाठकों और विद्यार्थियों के लिए समृद्ध संदर्भ केन्द्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों के तहत नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा 7 दिवसीय पुस्तक मेले का समापन गुरुवार को किया गया।

सूचना केन्द्र के संयुक्त निदेशक डॉ. कमलेश शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा सूचना केन्द्र सभागार में प्रबुद्ध पाठकों

- सात दिवसीय पुस्तक मेले में सवा दो लाख रुपयों की पुस्तकों की हुई बिक्री
- बाल गतिविधियों में विजेताओं और उपविजेताओं को एनबीटी की ओर से पुरस्कृत किया

और विद्यार्थियों के लिए पुस्तक मेले का आयोजन किया । पुस्तक मेले में साहित्य, कला, संस्कृति, सामान्य ज्ञान, बाल साहित्य के साथ कई महत्वपूर्ण एवं उपयोगी विषयों से संबंधित अलग-अलग विषयों की हजारों पुस्तकें प्रदर्शित की गई थी। मेले में चित्र पुस्तकें, बाल उपन्यास, नाटक, कहानियों सहित स्वयं सहायता, आत्म विकास, विज्ञान, महापुरुषों की जीवनियाँ, फिक्शन, नॉन फिक्शन व हर तरह की पुस्तकों का विद्यार्थियों, शहरवासियों के साथ-साथ पुस्तक प्रेमियों एवं साहित्य जगत से जुडे

मेले में आयोजित बाल गतिविधियों में मौजूद विद्यार्थी।

लोगों ने लुत्फ उठाया। एनबीटी के सहायक निदेशक मुकेश कुमार ने बताया कि इस सात दिवसीय पुस्तक मेले में प्रतिदिन विभिन्न कलात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया जिसमें शहर के दस विभिन्न विद्यालयों के एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इसके तहत 20 सितंबर को विद्यार्थियों के लिए कहानी वाचन सत्र, चित्रकला प्रतियोगिता और लेखक परिचर्चा का आयोजन किया गया। वहीं 23 सितंबर को इंडिया बुक रिकॉर्ड होल्डर की ओर से कहानी वाचन, पोस्टर डिजाइनिंग कार्यशाला और थिएटर कार्यशाला आयोजित हुई। इसी प्रकार 24 सितंबर को कहानी वाचन, बुकमार्क डिजाइनिंग, कार्टून वर्कशॉप तथा 25 सितंबर को कहानी वाचन, ऑर्गेमी वर्कशॉप और पुस्तक कवर डिजाइन कार्यशाला आयोजित हुई।समापन सत्र में गुरुवार को मांडना कला आधारित कार्यशाला और वैदिक गणित के साथ मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन समस्त गतिविधियों में कोमल जैन, गोपाल राजगोपाल, सवि सिंह, विशाल सिंह, शोना मल्होत्रा, चित्रकार राहुल माली, कहानीवाला रजत मेघनानी, आर्गेमी आर्टिस्ट नीलोफर मुनीर, विशाल सिंह और किरण बंसल ने अपने कला कौशल के जरिए बच्चों को आकर्षित किया। एनबीटी की एक्जीक्यूटिव असिस्टेंट दीपासिंह और यंग प्रोफेशनल शुभलक्ष्मी गौतम के निर्देशन में आयोजित बाल गतिविधियों में शहर की विभिन्न स्कूलों के 1 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई वहीं पुस्तक प्रदर्शनी में सैकड़ों की संख्या में प्रबुद्धजन और युवा भी पहुंचे। एनबीटी के विपणन कार्यकारी कुलदीप, विक्रय प्रतिनिधि अरूणकुमार, बिजनेस एनालिसिस अमितकुमार की सक्रियता से इस पुस्तक मेले में सवा दो लाख कीमत की दो हजार पांच सौ से अधिक पुस्तकों की बिक्री भी हुई। बाल गतिविधियों में विजेताओं और उपविजेताओं को एनबीटी की ओर से पुरस्कृत किया गया।

पशुघर गिरने से मासूम की मौत, दो घायल

डूंगरपुर, (निसं)। ओबरी थाना क्षेत्र के फाावटा ग्राम पंचायत के गमेला फलाा में बुधवार शाम केलूपोश पशुघर गिरने से एक मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 2 बच्चियां गंभीर घायल हो गई। घायलों को इलाज के लिए सागवाडा अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फावटा पंचायत के पूर्व सरपंच हरिहर परमार ने बताया कि बिजली निगम का पोल फावटा निवासी भारतु पुत्र थानिया डामोर के केलुपोश पशुघर गिर गया। इससे पशुघर में मौजूद राहुल (10) पुत्र ईश्वर डामोर की मलबे के नीचे दबने से मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारूप-10(नियम-6(7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं.3808 **लोक-सूचना** दिनांक:26/9/2024

श्री प्रवीण कुमार पिता श्री भंवरलाल माली निवासी कमल तलाई बस स्टेण्ड कांकरोली एवं श्री भूपेन्द्र कुमार पिता श्री भंवरलाल माली निवासी माली कॉलोनी कमल तलाई बस स्टेण्ड के पास कांकरोली द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	हवाला	295/1	रकबा 0.0769 हैक्टेयर में से रकबा 0.0141 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक ..... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

कार्यालय नगर परिषद राजसमन्द, जिला राजसमन्द

क्रमांक:न.प.रा./भू.रूपा./2024-25/3823 दिनांक : 26/09/2024

आपत्ती सूचना पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि खातेदार श्री राजेश पुत्र श्री भंवरलाल तम्बोली निवासी कांकरोली एवं श्री शंकरलाल पुत्र श्री हरिराम तेली निवासी ओड़ा तहसील व जिला राजसमन्द द्वारा राजस्व ग्राम धोईन्दा आराजी नम्बर 2446 रकबा 0.2509 हैक्टेयर, भूमि का आवासीय भूमि की जो प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त एवं आयुक्त नगर परिषद राजसमन्द क्रमांक:-प्राधि.अ./न.प.रा.भूमि.रूपा./2024-25/3451-3454 दिनांक 13.03.2024 द्वारा 90-क के तहत बिलानाम न.प.रा.दर्ज की स्वीकृति हो चुकी है, जिसमें निम्न आवेदकों द्वारा आवासीय प्रयोजनार्थ नियमन/आवंटन कराने हेतु आवंटन शपथ पत्र के आधार पर आवेदन किया है।

क्र. सं.	नाम आवंटी का	भू.स.	वर्गमीटर
01	श्री निर्मल कुमार सेन पिता श्री बाबुलाल सेन निवासी राणा रायसिंह नगर कांकरोली।	05	122.21
02	श्रीमती गीता सेन पत्नी श्री शंकरलाल सेन निवासी हजारिया ओड़ा जिला राजसमंद।	08	153.34

अत: इस संबंध में किसी हितकारी को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति सूचना जारी तिथि के 7 दिवस में लिखित में मय सबूत दस्तावेज के परिषद में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद मयाद कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आयुक्त
नगर परिषद राजसमन्द

तीन युवक गंभीर घायल

डूंगरपुर, (निसं)। आकाशीय बिजली गिरने से तीन युवक गंभीर रूप से झुलस गए। तीनों युवकों को जिला अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी अनुसार काकरादरा निवासी सुनील खराडी, पाटडी काकरादरा निवासी अनिल पुत्र रणछोड कोटेड तथा बलवाडा निवासी शांतिलाल पुत्र हरिराम बरंडा तीनों घर से बाइक का पेंचर निकलवाने के लिए बाइक को लेकर थाणा गांव जा रहे थे।

सलाहकार समिति की बैठक

उदयपुर, (कासं) आई सीआईसीआई बैंक फांउडेशन के माध्यम से संचालित ग्रामीण उद्यमिता प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) की जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट मिनी सभागार में हुई। बैठक में कलक्टर पोसवाल ने आरसेटी के माध्यम से अब तक हुए प्रशिक्षण एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशाओं के अनुरूप अधिक से अधिक राजीविका की महिलाओं और जनजाति समुदाय के युवाओं को प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाए। उन्होंने आरसेटी के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं को संतोषजनक रोजगार से जुडा हुआ देख प्रसन्नता जताई। क्षेत्रीय युवाओं और महिलाओं को लाभांवित कराने की संभावनाओं पर चर्चा की। आईसीआईसीआई आरसेटी के संयुक्त निदेशक अमर दीक्षित ने आरसेटी गतिविधियों का पीपीटी के माध्यम से प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा वर्तमान में कुल 992 आशार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

विद्यापीठ में पी.एच.डी. कोर्स वर्क शुरू

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विवि) की ओर से पीएचडी शोधार्थियों के लिए यूजीसी नियमानुसार कोर्स वर्क का शुभारंभ प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीजीडीन प्रो. जीएम मेहता, समन्वयक डॉ. युवराज सिंह राठौड ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्जवलित कर किया।

- शोध समाज के लिए उन्नति कारक व उद्देश्यपूर्ण हो : प्रो. सारंगदेवोत

समारोह को कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कर्नल एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि शोध कार्य समाज के लिए उन्नति कारक व एक दर्शन स्वरूप व उपयोगी सिद्ध हो। शोध पद्धति, शोध को निर्देशित करने वाला एक अंतर्निहित ढांचा होता है, किसी समस्या को हल करने के लिए एक व्यवस्थित और पद्धतिगत योजनाबद्ध शोध पद्धति से वैध और विश्वसनीय नतीजे प्राप्त होते हैं। उन्होंने बताया कि दुनिया को विवि भारत की ही देन है। तक्षशिला विवि को दुनिया का सबसे पहला विवि माना जाता है, जो एशिया में शिक्षा का प्रमुख केंद्र था। माना जाता है यह विश्वविद्यालय छठवीं से सातवीं ईसा पूर्व में तैयार हुआ था। तक्षशिला, नालंदा जैसे विवि हिंदू और बौद्ध शिक्षा के केंद्र थे। यहां वेद-वेदांत, अष्टादश विद्याएं, दर्शन, व्याकरण, अर्थशास्त्र, राजनीति, युद्धविद्या, शस्त्र-संचालन, ज्योतिष, आयुर्वेद, ललित कला, हस्त विद्या, अश्व-विद्या, मंत्र-विद्या, विविध भाषाएं, शिल्प आदि का अध्ययन करवाया जाता था और इन्हीं विश्वविद्यालयों में पाणिनी, कौटिल्य, चंद्रगुप्त, जीवक, कौशलराज जैसे महान लोगों ने अध्ययन किया था। इसी ज्ञान के आधार पर ही पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा प्राप्त था।

पीजीडीन प्रो.जीएम मेहता ने शोधार्थियों का आव्हान किया कि वे उत्तमता अपनाते हुए शोध कार्य करे तथा कॉपी पेस्ट से बचे। शोधार्थियों को किताबी ज्ञान नहीं बल्कि व्यावहारिक ज्ञान से भी अवगत रहना चाहिए। प्रारम्भ में समन्वयक डॉ. युवराज सिंह बताया कि इस कोर्सवर्क में शोधार्थियों को अलग-अलग विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध पद्धति, शोध प्रारूप तैयार करने की वैज्ञानिक पद्धति, कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट उपयोगिता, शोध एथिक्स आदि का नवीनतम ज्ञान प्रदान कराया जायेगा जिससे शोधार्थी अपने कार्य में निपुण हो सके। संचालन सह-समन्वयक डॉ. सुनीता मुर्डिया ने किया। कोर्सवर्क में निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत, तकनीकी समन्वयक डॉ. चन्द्रेश छतलानी, डॉ. यज्ञ आमेटा, तकनीकी सहयोगी डॉ. ललित सालवी, विकास डांगी, रोशन गर्ग सहित प्रतिभागी उपस्थित थे।

कार्यालय पंचायत समिति बड़गांव, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- प.स.ब/24-25/लेखा/732 दिनांक:-26.9.2024

-: हड्डी ठेका निलामी
खुली बोली वर्ष 2024-25 :-

पंचायत समिति बड़गांव में वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु हड्डी ठेका के लिए खुली बोली दिनांक 07.10.2024 समय दोपहर 2.00 बजे होगी । जिसकी विस्तृत जानकारी sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

UBN No.- ZUD2425WSOB01375

(प्रतिभा नागदा) प्रधान पंचायत समिति बड़गांव,

(जितेन्द्र सिंह राजावत) विकास अधिकारी पंचायत समिति बड़गांव,

GRAM PANCHAYAT OFFICE DODAWALI, PANCHAYAT SAMITI GIRWA (UDAIPUR)

LETTER NO:2024-25/119-120 DATE:20/09/2024

E-TENDER NOTICE

E-Tender Notice are invited for Goods. Details about Tender specification, cost, EMD, tender inviting and receiving dates etc. available at http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in

UBN NO- ZUD2425GLRCO1288

SARPANCH
Gram Panchayat
DODAWALI P.S. GIRWA

बैंक ऑफ बड़ौदा Bank of Baroda

उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाऊन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान), फोन: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673
ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

आम सूचना

एतद्द्वारा जनसाधारण एवं विशेष रूप से ऋणियों मैसर्स ग्रिसियस मेटल्स रिसाइकलर्स प्रोपराईटर श्रीमती रानू सिंघवी पत्नी श्री कमल सिंघवी एवं इसके जमानतदारों को सूचना दी जाती है कि मैसर्स ग्रिसियस मेटल्स रिसाइकलर्स प्रोपराईटर श्रीमती रानू सिंघवी पत्नी श्री कमल सिंघवी की सम्पत्ति को दिनांक 30.09.2024 को विक्रय करने हेतु राष्ट्रदूत एवं इंडियन एक्सप्रेस में दिनांक 24.08.2024 को जो ई-नीलामी सूचना प्रकाशित की गई थी को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है।

स्थान: उदयपुर
दिनांक: 26.09.2024

इस्ता.
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

बाइक सवार की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना क्षेत्र के कनबा गांव के पास जेसीबी ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पति की मौत हो गई। हादसे में पत्नी गंभीर घायल हो गई। घायल महिला को जिला अस्पताल से उदयपुर के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने जेसीबी को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। बिछीवाडा थाने के एएसआई ने बताया कि छापी निवासी सचिन नाई ने रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता लालशंकर नाई और मां लक्ष्मी देवी बाइक पर गामडी अहाडा जाने के लिए घर से निकले थे।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वन एवं पर्यावरण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र क्रमांक: No. RJ/24/SEAC2/MIN/EC/0196//Cat-B1/2023-24 Jaipur Dated 29 Aug 2024 के द्वारा मैसर्स प्रगति ग्रेनाईट खनन पट्टा संख्या 42/2021 क्षेत्रफल 1.6017 हेक्टर वास्ते खनिज ग्रेनाईट निकट ग्राम आंजना तहसील देवगढ़ जिला राजसमंद (राज.) Production Capacity Granite 183333 TPA (ROM) के लिए पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की गई है । स्वीकृति की प्रति SEIAA जयपुर एवं राजस्थान प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल कार्यालय में जन साधारण के लिए उपलब्ध है एवं प्रदूषण मण्डल की वेबसाईट www.rpcb.nic पर देखी जा सकती है।

मैसर्स प्रगति ग्रेनाईट

प्रारूप-10(नियम-6(7)देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त नगर परिषद, राजसमन्द

सं.3807 **लोक-सूचना** दिनांक:26.9.2024

श्री शंकरलाल गमेती पिता श्री किशनलाल गमेती निवासी उपली ओडन तहसील नाथद्वारा जिला राजसमन्द द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.स.	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्र
1	राजसमन्द	बांसोल	220/3	रकबा 0.0364 हैक्टेयर
			220/4	रकबा 0.0202 हैक्टेयर
			221/1	रकबा 0.0162 हैक्टेयर
			221/2	रकबा 0.0364 हैक्टेयर
			221/3	रकबा 0.0445 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक ..... को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी एवं आयुक्त, नगर परिषद, राजसमन्द

क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

उदयपुर, (कासं)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के तत्वावधान में संस्कृत शिक्षकों का तीन दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को प्रारंभ हुआ। डाइट प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी ने बताया कि प्रशिक्षण में जिले के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 10 तक संस्कृत विषय पढाने वाले शिक्षक हिस्सा ले रहे हैं।

संस्थान के सेवारत प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष गायत्री जोशी के निर्देशन में संचालित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में संदर्भ व्यक्ति डॉ. मानाराम चौधरी द्वारा संस्कृत संभाषण का अभ्यास, गीत के माध्यम से संस्कृत शिक्षण, अभिनय आधारित प्रत्यक्ष विधि द्वारा शिक्षण, स्फोरक पत्रों से विभक्तियों का अभ्यास, क्रियापद, कथा-कथन तथा प्रत्यक्ष वस्तुओं के माध्यम से संस्कृत शब्दों का बोध कराया गया।इस अवसर पर संभागियों की ओर से जगदीश चौबीसा,रामचंद्र पालीवाल, शीला तेली, वर्षा मीणा, खुशबू पाराशर तथा लोकेश भट्ट ने पारस्परिक अत: क्रियाओँ में भाग लिया। प्रशिक्षण का समापन 28 सितंबर को होगा।

वहीं संस्थान के टैगोर हॉल में पीएम श्री विद्यालयों के शिक्षको के लिए संचालित पांच दिवसीय पशिक्षण के चौथे दिन गुरुवार को संदर्भ व्यक्ति मनोज पाठक व जगदीश चंद्र सालवी ने करके सीखो तथा रटंत प्रवृति से निजात,अनुभव आधारित अध्यापन के साथ साथ आई सी टी,गूगल टूल्स व पीएम श्री विद्यालयों के लिए आवश्यक पोर्टल संबंधी जानकारी से संभागियों को अवगत कराया। संभागियों की ओर से वंदना आमेटा, अनिता मीणा, जयप्रकाश चौबीसा आदि ने चर्चा में भाग लिया। उक्त जानकारी प्रभारी अधिकारी रियाज अहमद ने दी।

गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला 29 सितम्बर से

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल में 29 सितम्बर से गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन होगा।

निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि भारतीय लोक कला मण्डल एवं रंगपृष्ठ संस्था के संयुक्त तत्वधान में संस्था परिसर में ०5 दिवसीय गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन 29 सितम्बर से होगा। संस्था में रंगपृष्ठ संस्था उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 29 सितम्बर से ०3 अक्टूबर के मध्य 5 दिवसीय गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन होगा जिसमें रंगपृष्ठ संस्था के कलाकार रीना बागड़ी सुहानी चौधरी एवं ज्योती माली प्रतिभागियों को गरबा नृत्य का प्रशिक्षण देंगी। डॉ. हुसैने ने बताया कि गरबा गुजरात का पारंपरिक लोक नृत्य है जिसे नवरात्रा के अवसर पर किया जाता है। गुजरात का यह पारंपरिक लोक नृत्य वर्तमान में न केवल गुजरात बल्कि देश के अन्य राज्यों में पसंद किया जाने लगा है। इस लोक नृत्य का आयोजन उदयपुर में बडे स्तर पर होने लगा है। शहर का आमजन गुजरात के पारम्परिक लोक नृत्य को पारम्परिक तरिके से कैसे करे उसी उद्धेश्य को ध्यान में रखते हुए गरबा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 10 वर्ष से अधिक सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों को गरबा नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला का समय प्रतिदिन सायं 5:30 बजे से 6:30 बजे रहेगा। इच्छुक प्रतिभागी कार्यालय समय में भारतीय लोक कला मण्डल में पंजीयन 28 सितम्बर तक करा सकते है।

कार्यालय ग्राम पंचायत धार,
पंचायत समिति बड़गांव, जिला-उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- 2024-25/23 दिनांक:-26.9.2024

-: खुली बोली/2024-25 :-

ग्राम पंचायत धार के अधीनस्थ ग्रामों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में घर एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा संग्रहण एवं पृथक्करण, गांवों की सड़क एवं नाली सफाई एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसर की सफाई का कार्य हेतु उपापन की निविदाएं दिनांक 30.09.2024 सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/ जानकारी https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No.- ZUD2425WSOB01362

सरपंच
ग्राम पंचायत धार
पंचायत समिति बड़गांव, जिला-उदयपुर (राज.)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत धार
पंचायत समिति बड़गांव, जिला-उदयपुर (राज.)

उदयपुर जिले में आदमखोर पैंथर का आतंक, बालिका समेत ग्रामीण को शिकार बनाया

बच्ची के शिकार के बाद ग्रामीण सवाल उठ रहे हैं कि क्या वन विभाग ने गलत पैंथर को पकड़ा है?

गोगुंदा में आदमखोर पैंथर ने बालिका को शिकार बनाया, मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले के गोगुंदा थाना क्षेत्र में आदमखोर पैंथर का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार रात छाली पंचायत से करीब छह किलोमीटर दूर मजावद पंचायत के कुंडाऊ गांव में आदमखोर पैंथर घर के बाहर खेल रही 5 वर्षीय बच्ची सूरज पुत्री गमेरा गमेती को उठा कर जंगल में ले गया। आठ दिनों में पैंथर का यह चौथा मानव शिकार है। गुरुवार को बच्ची का शव जंगल में क्षत-विक्षप्त हालत मिला। घटना से एक बार फिर ग्रामीण दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों एक आदमखोर पैंथर ने छाली पंचायत में 16 वर्षीय किशोरी, 65 वर्षीय वृद्ध और 45 वर्षीय महिला को शिकार बनाया था। अब पास की पंचायत की 5 वर्षीय बच्ची के शिकार से ग्रामीण दहल गए हैं। बच्ची के शिकार के बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या वन विभाग ने जिन पैंथर को पकड़ा है, वे वास्तव में वही आदमखोर पैंथर है, जो लोगों का शिकार कर उन्हें मौत के घाट उतार रहा था या आदमखोर पैंथर ने पूरे वन विभाग और पुलिस को चमका दे दिया है। 5 वर्षीय बच्ची के शरीर को जिस तरह पैंथर ने खाया है, यह उसके पहले शिकार छाली पंचायत के उंडीथल गांव की 16 वर्षीय किशोरी कमला से मिलता-जुलता है। पैंथर ने कमला का

गोगुंदा थाना क्षेत्र के कुंडाऊ गांव में आदमखोर पैंथर की शिकार बच्ची का क्षत-विक्षप्त शव मिला। (गोले में शव)

बायां हाथ और बायीं तरफ का ऊपरी हिस्सा खाया था, यही इस 5 वर्षीय बच्ची के साथ हुआ है। पैंथर ने शिकार के तुरंत बाद बच्ची का बायां हाथ, पैर और बायीं तरफ का चेहरा खा लिया।

- पांच वर्षीय बालिका का दूसरे दिन जंगल में क्षत-विक्षप्त शव मिला, कुंडाऊ गांव के लोगों में भय
- पिछले दिनों एक आदमखोर पैंथर ने छाली पंचायत में 16 वर्षीय किशोरी, 65 वर्षीय वृद्ध और 45 वर्षीय महिला को शिकार बनाया था

आदमखोर पैंथर बुधवार रात करीब 7.30॰बजे जब बच्ची को घर के बाहर से उठा ले गया, तो बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्ची को तलाशा लेकिन बच्ची नहीं मिली, फिर ग्रामीण बच्ची को तलाशने झुंड बनाकर जंगल के अंदर गए तो कुछ ही दूर बच्ची का कटा हुआ हाथ, पैर और क्षत-विक्षप्त खाया हुआ शव मिला। मौके पर पहुंची सरपंच ने वन विभाग और पुलिस को सूचना दी। रात करीब 9.30॰ बजे शव के पास खडे होकर ग्रामीण कानूनी प्रक्रिया के लिए वन विभाग और पुलिस का इंतजार कर रहे थे कि तभी दुर्दांत हो चुके आदमखोर पैंथर ने फिर अटैक किया और ग्रामीणो के सामने बच्ची का शव उठा कर जंगल के अंदर ले गया।

सूचना पर गोगुंदा एसडीम डॉ. नरेश सोनी, थानाधिकारी शैतान सिंह नाथावत, वन विभाग की टीम और गोगुंदा तहसीलदार ओम सिंह लखावत मौके पर पहुंचे। अधिकारी ग्रामीणों की मदद से मासूम बच्ची के शव को ढूंढने की कोशिश की लेकिन रात 12 बजे तक बच्ची का शव नहीं मिला।

बच्ची की मां-पिता का रो-रो कर बुरा हाल है। गुरुवार को दोपहर में बच्ची का शव मिला जिसका पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया। दुर्दांत हो चुका आदमखोर पैंथर जिस तरह से ग्रामीणों के सामने दोबारा अटैक कर बच्ची का शव उठा कर ले गया, यह देखकर ग्रामीण बेहद घबराए हुए हैं और खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। वही वन विभाग ने ट्रेप कैमरे से निगरानी करते हुए फिर तीन पिंजरे लगा कर आदमखोर पैंथर का पकड़ने की कवायद शुरू कर दी है।

झाड़ोल के जंगल में पैंथर ने ग्रामीण पर हमला किया, मौत

सरणा फला गांव के जंगल में बकरियों के लिए पत्ते लेने गया था व्यक्ति, पैंथर ने बनाया शिकार

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर जिले में लगातार पैंथर का ग्रामीणों पर हमले का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब झाड़ोल के सरणा फला में गुरुवार को बकरियों के लिए पत्ते लेने गए व्यक्ति पर पैंथर ने हमला कर उसे मारा डाला। मृतक का शव जंगल में खून से सना हुआ पड़ा मिला। मृतक की पहचान शंकर (50) पुत्र लिंबा खराडी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार सुबह मृतक शंकर खराडी पास के जंगल में बकरियों के लिए पत्ते लेने निकले थे। दोपहर तक वह वापस नहीं लौटे तो उनके परिवार को चिंता होने लगी। ऐसे में अपने पिता को उसके दोनों बेटे फतहलाल और धनराज जंगल में तलाशने पहुंचे। कई देर ढूंढने के बाद मृतक का शव जंगल में पड़ा मिला। इस हालत में पिता का शव देख बेटे हैरान रह गए। मृतक के पूरे कपड़े खून से सने हुए थे। पैर और

- मृतक का शव जंगल में खून से सना हुआ पड़ा मिला, वन विभाग की टीम पहुंची
- ग्रामीणों ने शव को मॉच्यूरी ले जाने से रोक दिया और ग्रामीण विरोध पर उतर आए

सीने पर गंभीर घाव थे। सूचना पर झाड़ोल थानाधिकारी रामनिवास जाब्ते के साथ पहुंचे और रेंजर होरीलाल सैनी सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

घटना का पता लगने पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस शव पहाड़ी से नीचे उतारकर लेकर आई, लेकिन ग्रामीणों ने शव को मॉच्यूरी ले जाने से रोक दिया। ग्रामीण विरोध पर उतर आए। वे लेपर्ड को पकड़ने सहित मुआवजे की मांग पर अड़ गए। माहौल गर्माता देख डिप्टी महावीर सिंह शेखावत और एसडीएम हसमुख कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों से 2 घंटे तक समझाइश की। मुआवजा और पैंथर को जल्द पकड़ने के आश्वासन के बाद ग्रामीण माने। गोगुंदा की जिस छाली पंचायत में तक दो नाबालिग सहित 4 जनों को पैंथर ने हमला कर मार दिया, उसी गांव के जंगल से झाडोल क्षेत्र की सीमा जुडी हुई है।

वाहन मार्ग से जाने की बात करें तो झाड़ोल से गोगुंदा करीब 30 किमी है लेकिन बताया जा रहा है कि जंगल के रास्ते पहुंचने से पैंथर के लिए यह दूरी कम है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि कहीं गोगुंदा में इंसानों का मारने वाले पैंथर ने यहां हमला किया होगा।

मानसून की विदाई के बीच मौसम का बदलाव

श्रीगंगानगर, (निसं)। बारिश से उपजी ठंडक के कारण लोग आधी रात के बाद कूलर और एसी बंद करने लगे थे, लेकिन बारिश का दौर थमने और मौसम शुष्क होने से तापमान में हुई बढ़ोतरी के कारण कूलर, एसी रातभर चलने लगे हैं। अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक पहुंचने से गर्मी का अहसास होने लगा है। तापमान में हो रही बढ़ोतरी का असर खेती पर भी दिखाई दे रहा है।

प्रगतिशील किसान मनीराम पूनिया ने बताया कि इन दिनों सिंचाई करने पर जमीन में सात दिनों बाद बतर आती थी लेकिन अब तो तीन दिन में ही बतर आ रही है। सावणी की फसलों में इस मौसम में सिंचाई की जरूरत नहीं होती थी। अब मौसम का जो मिजाज है उसमें कॉटन के अलावा मक्का और गन्ना की फसल पानी मांग रही है।

उन्होंने बताया कि श्राद्ध पक्ष में सरसों की बिजाई शुरू हो जाती थी, लेकिन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में बोई गई सरसों का अंकुरण नहीं होता, इसलिए किसान सरसों बिजाई का जोखिम नहीं ले रहे। इस समय नरमा की फसल फाल पर होती है, इसलिए उसमें पानी की जरूरत नहीं होती।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
Gandhi Block, Swasthya Bhawan, Tilak Marg, Jaipur – 302005, Phone No: 0141-2223887, 2228065, Website: www.rmsc.health.rajasthan.gov.in, E-mail : edprmsc-rj@nic.in
No. : F-8(348)RMSC/EPM/M-2/NIB-844/2024-25/RajKaj No. 10736893 Dated :- 25/09/2024
NOTICE INVITING BID
Bid for item (i) Bublle CPAP Consumable, (ii) (PICU/PHDU) HFNC Consumable Kit & (iii) (PICU/PHDU) Ventilator Consumable Kit are invited from interested bidders up to Date: 24.09.2024: 04:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in. UBN:- MSC2425GLRC00038
Raj.Samwad/C/24/5714 Executive Director (EPM)

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान)
फोन नं. 01425-254022 (का.) e-mail id : dean.skncoa@sknau.ac.in
क्रमांक :- एफ.( )/सीएस/ई बिड/श्रीकनकृमवि/2024/1435 दिनांक :- 25/09/2024
ई-बिड सूचना
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के नवनिर्मित गर्ल्स छात्रावास, अन्य छात्रावास अतिथि गृह एवं एससी/एसटी छात्रावास हेतु फर्नीचर एवं इलेक्ट्रिक आईटम ई-बिड़ प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं www.sppp.rajasthan.gov.in और www.sknau.ac.in देखा जा सकता है। ई-बिड़ प्रपत्र शुल्क राशि 1000/- धरोहर राशि 80000+28000=1,08,000/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट/बैंकर चैक अधिष्ठाता (DEAN), श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के पक्ष में तथा MD, RISL, JAIPUR Fees 1500/- बनाकर दिनांक 04.10.2024 समय दोपहर 02.30 बजे तक अपलोड करवाना एवं अधिष्ठाता कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में जमा करवाना होगा एवं दिनांक 07.10.2024 को प्रातः 11.00 बजे ई-बिड़ समिति द्वारा खोली जावेगी।
UBN : SKN2425GLBO00170
राज.संवाद/सी/24/5720 अधिष्ठाता

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड करौली
Address - Near old Collectorate Circle Karauli
E-Mail :-EEPWD.KARAULI@RAJASTHAN.GOV.IN
क्रमांक :- 2297-2309 दिनांक :- 17.09.2024
निविदा सूचना संख्या-05/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दुर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदको जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओ से संबंधित विवरण बेवसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code :- PWD2425A 1634
UBN No.-PWD2425 W SOBO 5884
UBN No.-PWD2425WSOB05885
DIPR/C/9122/2024
(चन्द प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड खानपुर
क्रमांक :- 997 दिनांक :- 24.09.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 14/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क / पुलिया मरम्मत व निर्माण कार्यों के लिये, उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", एवं "ए", "बी", सी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा सेसम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "www.diproline.org", "www.eproc.rajasthan.gov.in" तथा "www.pwd.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
UBN No.(1) PWD2425WSOB06329
UBN No.(2) PWD2425WSOB06337
UBN No.(3) PWD2425WSOB06344
UBN No.(4) PWD2425WSOB06363
DIPR/C/9156/2024
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड खानपुर

थाने से 200 मीटर दूरी पर की बदमाशों ने मकान पर फायरिंग

कोटा, (निसं)। गणेश उत्सव के दौरान हुई मारपीट के मामले में बदमाशों की ओर से बुधवार देर रात को एक घर पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। यह घटना मकबरा थाने से महज 200 मीटर दूरी पर स्थित एक मकान पर हुई है। फायरिंग में बेजुबान पालतू श्वान की मौत हो गई। पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना में उनका 16 वर्षीय किशोर बाल-बाल बच गया। गोली उसके कंधे के नजदीक से गुजर गई।

जानकारी के अनुसार मामला नाबालिग किशोर की लड़ाई को लेकर शुरू हुआ था, जिसमें बदला लेने के लिए यह फायरिंग की गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर यह फायरिंग हुई थी। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। जांच के दौरान जिन भी धाराओं का अपराध बनता है उनके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। श्वान की मौत पर पशु क्रूरता अधिनियम की धारा भी जोड़ी जाएगी। मामले के अनुसार मकबरा थाने से महज चंद दूरी पर रहने वाले जितेंद्र सिंह सोडा के भतीजे का झगड़ा 6 सितंबर की देर रात को कैथूनीपोल थाना इलाके में हुआ था। यह झगड़ा गणेश उत्सव के एक दिन पहले गणपति बैठाने के दौरान देर रात को हुआ था। इसमें दूसरे किशोर को चोट लगी थी।

सैनिक की मौत पर बीकानेर में बवाल, शहीद का दर्जा देने की मांग

बीकानेर, (निसं)। जिले के सैनिक की मौत पर ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया और परिवार ने शव लेने से इनकार किया है। परिजन ने सैनिक को शहीद का दर्जा देने की मांग रखी है। जानकारी के अनुसार नोखा उपखण्ड के पांचू निवासी भारतीय सेना के जवान रामस्वरूप कस्वां की जम्मू-कश्मीर में गोली लगने से मौत हो गई। घटना के समय जवान ड्यूटी पर था। सेना ने बुधवार (25 सितंबर) को शव जम्मू-कश्मीर से बीकानेर भेजा।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल यश राठौड़ (सेवानिवृत) ने जिला कलेक्टर को भेजे पत्र में बताया कि सैनिक रामस्वरूप निवासी पांचू की मौत फिजिकल कैजुअल्टी का केस है। बैटल कैजुअल्टी (शहीद) का केस नहीं है। इस संबंध में सेना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी जारी है। रामस्वरूप के भाई ने बताया कि रामस्वरूप की मौत के समय वह ड्यूटी पर जम्मू-कश्मीर में था। परिवार की सरकार से मांग है कि रामस्वरूप को शहीद का दर्जा और केन्द्र सरकार की ओर से शहीद के अनुरूप सभी लाभ दिए जाएं। शहीद के नाम पर सड़क का नामाकरण करने, पांचू पंचायत समिति में शहीद स्मारक बनाने समेत कई मांग रखी हैं। वहीं ग्रामीणों ने म्यूजियम सर्किल के पास नेशनल हाईवे को जाम कर दिया, जिससे बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। यातायात पुलिस ने जिला परिषद के पास से वाहनों को डायवर्ट करना शुरू कर दिया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शहर, एसडीएम, अतिरिक्त पुलिस अधिकारी ग्रामीणों से वार्ता करने मौके पर पहुंचे। शहीद का दर्जा देने की मांग पर कोई आश्वासन नहीं दे सका।

पांचू पुलिस थाना के अनुसार 25 वर्षीय रामस्वरूप कस्वां करीब चार साल पहले भारतीय सेना के 65 आर्म्ड रेजिमेंट में सैनिक के रूप में भर्ती हुए थे। सवा साल पहले रामस्वरूप की शादी 15 मई 2023 को हुई थी। पिता मोटाराम कस्वां खेती करते हैं। उनके पांच पुत्रों में रामस्वरूप चौथे नम्बर पर थे। रामस्वरूप का बड़ा भाई श्रीराम कस्वां भी भारतीय सेना में है। गत जुलाई में ही रामस्वरूप छुट्टी बिताकर घर से जम्मू कश्मीर में ड्यूटी करने गए थे। देर शाम तक धरना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों का जमावड़ा बना हुआ था। जिला प्रशासन के साथ हुई वार्ता में सहमति नहीं बनने के कारण ग्रामीण धरना स्थल पर डटे रहे।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 64(2) के अंतर्गत सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड जयपुर, ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल), जयपुर, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल), अजमेर और जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेडीवीवीएनएल), जोधपुर (डिस्कॉम्स के रूप में भी संदर्भित) की ओर से विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 62 (टैरिफ का निर्धारण) सपठित आरईआरसी (व्यवसाय का लेनदेन), विनियम, 2021 के विनियम 19 और 21 के अंतर्गत राजस्थान डिस्कॉम में पीएम-कुसुम योजना के घटक-ए के तहत 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता के कार्यान्वयन के लिए पूर्व-निर्धारण लेवलाइज्ड की मंजूरी के लिए आयोग के समक्ष याचिका दायर की है, इस पर टिप्पणियाँ/सुझाव आमंत्रित हैं।
याचिका संख्या 2261/24 की प्रतियां निरीक्षण/अवलोकन के लिए और विक्रय के लिए 50 रू के भुगतान पर आयोग कार्यालय एवं निम्नांकित स्थानों पर उपलब्ध है।
1. जेवीवीएनएल का मुख्यालय, विद्युत भवन जनपथ, ज्योति नगर, जयपुर।
2. एवीवीएनएल का मुख्यालय, विद्युत भवन, मकरवाडी रोड, पंचशील नगर, अजमेर।
3. जेडीवीवीएनएल का मुख्यालय, न्यू पावर हाउस, बासनी, जोधपुर।
याचिकाएँ निगमों की वेब साइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl और रा.वि.वि.आ. की वेब साइट www.rerc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।
टिप्पणियाँ/सुझाव दाखिल करने के इच्छुक व्यक्ति इसे छह प्रतियों में सहायक विवरण के साथ प्राप्तकर्ता अधिकारी, आरईआरसी, विद्युत विनियामक भवन, निकट स्टेट मोटर गैराज, सहकार मार्ग, जयपुर-302001 को भेज सकते हैं या rercjpr@yahoo.co.in पर ई-मेल के माध्यम से भेज सकते हैं, ताकि प्राप्तकर्ता अधिकारी तक 04.10.2024 या उससे पहले पहुंच सकें।
राज.संवाद/सी/24/5771 जेपीआर 2888 (2024) अधीक्षण अभियंता (रेगुलेशन)

शिक्षकों की मारपीट व अभद्रता से भयभीत छात्र-छात्राएं कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

न्यू मथुरा गेट महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के बच्चों ने विद्यालय के शिक्षकों पर मारपीट व गालियां देकर प्रताड़ित करने की शिकायत एडीएम प्रशासन को दी

भरतपुर, (निसं)। गुरूवार को जिला कलेक्ट्रेट के सामने चल रहे न्यू मथुरा गेट महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के कक्षा सात व आठ के करीब एक दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं अपने विद्यालय के शिक्षकों के द्वारा मारपीट करने एवं गालियां देते हुए अभ्रद भाषा से प्रताड़ित करने की शिकायत को लेकर जिला कलेक्ट्रेट में कलेक्टर से मिलने पहुंचे। वहां अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा के पास पहुंच कर बच्चों ने उनको अपनी पीड़ा बताई।

विद्यालय के बच्चों ने बताया कि विद्यालय में शिक्षकों का पढ़ाई कराने पर बिल्कुल ध्यान नहीं रहता है। वहीं विद्यालय के शिक्षक राहुल, चेतन व महिला शिक्षिका आशा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं और मारपीट करते हैं। आज भी विद्यालय के कई बच्चों के साथ मारपीट की है। बच्चों ने मारपीट

बच्चों ने विद्यालय के शिक्षकों पर मारपीट व गालियां देकर प्रताड़ित करने की शिकायत एडीएम प्रशासन से की।

से शरीर पर बने चोट के निशानों को भी एडीएम प्रशासन को दिखाया। बच्चे बुरी तरह भयभीत नजर आ रहे थे। जिस पर एडीएम प्रशासन ने उन्हें सांत्वना देकर समझाया कि आपके साथ हुए गलत व्यवहार की जांच कराकर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी, जिस पर बच्चों ने थोडी राहत की सांस ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीएम प्रशासन घनश्याम शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक आरडी बंसल को फोन कर इस मामले की गहनता से जांच कर रिपोर्ट पेश देने के निर्देश दिए। एडीएम प्रशासन के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक आरडी बंसल, महात्मा गांधी विद्यालय के उपनिदेशक दलबीर सिंह, सेवर के

- बच्चों ने मारपीट से शरीर पर बने चोट के निशानों को भी एडीएम प्रशासन को दिखाया

एसीबीईओ रामवीर सिंह जांच करने के लिए न्यू मथुरा गेट महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पहुंचे। लेकिन स्कूल की शिफ्ट खत्म होने के कारण उन्हें शिक्षक नहीं मिले। जिस पर मामले की जांच को लेकर जांच कमेटी का गठन किया गया, जिनके द्वारा मीन दिन में जिला कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक आरडी बंसल ने बताया कि जांच कमेटी के द्वारा जांच कर रिपोर्ट पेश की जाएगी। अगर इसमें शिक्षकों की गलती पाई गई तो उनके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

कार्यालय नगरपरिषद करौली (राज0)
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com
क्रमांकः 2012-13 दिनांकः 24.09.2024
ई - निविदा सूचना
सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि) के शहर करौली के विभिन्न वार्डो में विभिन्न प्रकार के विकास कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में क्षतिग्रस्त सड़कों पर पेच मरम्मत कार्य ARC (वार्षिक दर अनुबंध)	मदनमोहन जी मंदिर के पास टीनशेड निर्माण कार्य	Operation & Maintinance of Sewage Treatment Plant 5MLD Near Charagah & sewage pumping station including all civil, electirical, mechanichal pumping and other alide works at Karauli town
निविदा की लागत	48.32 लाख	16.81 लाख	45.14 लाख
धरोहर राशि	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)		
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	27.09.2024 समय 2:00 पीएम से 11.10.2024 समय 6:00 पीएम तक		
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की अन्तिम तिथि	11.10.2024 समय 6:00 पीएम तक		
भौतिक दस्तावेज प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	12.10.2024 समय 5:00 पीएम तक		
ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल प्राप्त बिड की खोलने की तिथि	13.10.2024 समय 2:00 पीएम		
निविदा शुल्क	1000/- रूपयें प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (आयुक्त नगरपरिषद करौली के नाम से जरिये डी0डी0)		
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक (MDRISL JAIPUR के नाम से जरिये डी0डी0)		
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in		
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	6 माह	12 माह	06 माह
कार्य की समयावधि	12 माह	03 माह	24 माह
UBN. -	DLB2425WSOB08827	DLB2425WSOB08829	DLB2425WSOB08836

राज.संवाद/सी/24/5758 सभापति आयुक्त

भाजपा के सदस्यता अभियान में कम सदस्य बनने से नाराज हुए राष्ट्रीय संगठन महामंत्री

15 अक्टूबर तक सवा करोड़ सदस्य बनाने थे, जबकि अभी 23 लाख बने

जयपुर। भाजपा के प्रदेश में चल रहे सदस्यता अभियान की पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने समीक्षा बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्यों को अर्जित करने के लिए पूर्व योजनाओं और पूर्ण योजना के साथ कार्यकर्ता जुट जाए। इसके साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्षों से आव्हान किया कि वे मंडल और बूथ स्तर पर प्रवास कार्यक्रम बनाए तथा वहां स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सदस्यता अभियान को गति प्रदान करें। बैठक में भाजपा के जिलाध्यक्ष, अभियान से जुड़े प्रभारी, संयोजक और जिलों की टोली के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बीएल संतोष ने प्रदेश में भाजपा के सदस्यता अभियान की धीमी गति को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने भाजपा के प्रदेश स्तर और जिला संयोजकों की बैठक में कम सदस्य बनाने के पीछे कारण पूछे। इस पर संयोजकों ने कहा कि इस समय खेती का समय चल रहा है, जिसके चलते सदस्यता कम रही है। बीएल संतोष ने कहा कि लोग खेती में व्यस्त हैं तो खेतों में जाकर सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा कि मैं यहां एक-एक व्यक्ति का रिकॉर्ड देखने आया हूं। किस व्यक्ति ने अपने मोबाइल से कितने सदस्य बनाए।

हालांकि मीटिंग के दौरान उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की तारीफ भी की और कहा कि उन्होंने टारगेट से दोगुने सदस्य बनाए हैं। इसी तरीके से बाकी लोगों को भी काम करना चाहिए। राजस्थान में अभी 23 लाख सदस्य ही बने हैं। जबकि प्रदेश में 15 अक्टूबर तक सवा करोड़ सदस्य बनाने का लक्ष्य है।

संतोष ने कहा कि अपने साथी कार्यकर्ताओं में नेतृत्व के गुण विकसित करें, उनके नेता बनने से आपका कद स्वतः बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है, यहां

- **भाजपा में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण, उनमें करें नेतृत्व के गुण विकसित : बीएल संतोष**
- **भाजपा आरक्षित वर्ग के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध, कांग्रेस मानती रही वोट बैंक : मदन राठौड़**

कार्यकर्ता अपने कार्य के बल पर महत्वपूर्ण है। सदस्यता अभियान कार्यकर्ता निर्माण की दिशा में पहला कदम है, इसलिए इस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए त्रि सूत्री मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिदिन सदस्य बनाए, मंडल के हर बूथ पर सक्रियता बढ़ाए और सदस्यता अभियान में व्यक्तिगत रेफरल की संख्या बढाई जाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा आरक्षित वर्ग के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र और राज्य में बहुमत मिलने पर सदा उन वर्गों के कल्याण के लिए कदम उठाए गए है। जबकि कांग्रेस और अन्य दल उन्हें केवल वोट बैंक मानते है। पहले आरक्षण लागू करने में कौताही बरतने वाली कांग्रेस आज विदेश की धरती पर जाकर आरक्षण समाप्त करने की बात करती है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से आव्हान किया कि वे कमजोर मन से नहीं, मजबूत मन के साथ संगठन के कार्य में जुटे, क्योंकि भाजपा की ताकत उसके कार्यकर्ता है। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश प्रभारी ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि अगले 18 दिनों में सदस्यता को गति देने के लिए 3 महा अभियान चलेंगे। इन सभी अभियानों में प्रदेश से बूथ तक के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि देशभर में सदस्यता को लेकर सकारात्मक रूझान सामने आया है। लोग भाजपा के साथ जुड़कर राष्ट्रीय विचार को राजनीतिक क्षेत्र में मजबूती देने के लिए आगे आ रहे है।

सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरूण चतुर्वेदी ने समीक्षा बैठक की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि सदस्यता अभियान का प्रथम चरण बुधवार को समाप्त हो गया है। अब 15 अक्टूबर तक अभियान का दूसरा चरण चलेगा। इसमें 29 सितंबर को प्रधानमंत्री जी के मन की बात कार्यक्रम, 5 और 6 अक्टूबर तथा 13 से 14 अक्टूबर को सदस्यता का महा अभियान चलाया जाएगा।

सैन्यकर्मी का कोर्ट मार्शल कर बर्खास्त करने का 22 साल पुराना आदेश रद्द

जयपुर। सशस्त्र सेना प्राधिकरण ने साथी के बैंक खाते से रुपए निकालने के मामले में सैन्यकर्मी का कोर्ट मार्शल कर बर्खास्त करने के 22 साल पुराने आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अधिकरण ने उसे समान रैंक पर मानते हुए समस्त परिलाभ व पेंशन देने को कहा है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि बर्खास्तगी आदेश से बाद की अवधि का उसे वेतन नहीं दिया जाएगा। अधिकरण ने यह आदेश पूर्व सीएफएन चंद्रभान की याचिका पर दिए। अधिकरण ने कहा कि वास्तव में बैंक कर्मचारी ने अपने फायदे के लिए याचिकाकर्ता को फंसाया है और उसे सेवा से बर्खास्त कर उसके साथ घोर अन्याय किया है। इसके साथ ही अधिकरण ने आदेश की कॉपी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक को उचित कार्रवाई के लिए भेजा है।

याचिका में अधिवक्ता प्रवीण बलवदा ने अधिकरण को बताया कि याचिकाकर्ता 7011 ईएमई बटालियन जालंधर में सीएफएन के पद पर कार्यरत था। उस पर आरोप था कि उसने 4 दिसंबर, 2001 को एसबीआई बैंक की जालंधर कैंट शाखा में सीएफएन एसपी सिंह के खाते से उसके फर्जी साइन कर 35 हजार रुपए निकाल लिए। इस मामले में उस पर कोर्ट मार्शल की कार्रवाई की गई और 5 मार्च, 2002 को उसे तीन माह का सिविल कारावास देते हुए सेवा से बर्खास्त कर दिया। याचिका में कहा गया कि उसे रुपए की जरुरत थी और उसने बैंककर्मी जीपी सिंह को इस बारे में बताया था। इस पर जीपी सिंह ने उसे दस दिन के लिए यह राशि एक हजार रुपए ब्याज काटकर दी थी। इस दौरान बैंक के निकासी फॉर्म पर जीपी सिंह ने साइन किए थे। वहीं तय समय पर याचिकाकर्ता ने यह राशि लौटा दी भी थी। मामले में कोर्ट मार्शल की कार्रवाई में घटना के मुख्य आरोपी जीपी सिंह को सरकारी गवाह बनाया गया और उसकी गवाही पर याचिकाकर्ता को दंडित किया गया। जबकि उसकी गवाही विश्वसनीय नहीं थी और उसने खुद को बचाने के लिए याचिकाकर्ता पर दोष मढ़ दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने कोर्ट मार्शल के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को समान रैंक का परिलाभ देने को कहा है।

हिंदू आध्यात्मिक व सेवा मेले का उद्घाटन

जयपुर। हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला के उद्घाटन के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुझे चिंता होती है कुछ लोग विदेश में देश को तोड़ने वालों के साथ बैठते हैं। वे नासमझी से उत्साहित हैं। एक नैरेटिव चला रहे हैं। जब पड़ोस के देश में कुछ हुआ, तब के संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति कहता है कि हमारे देश में ऐसा हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इतने हिस्सों में भी मत बंटो कि बाद में याद आए कि हमारे हिस्से में कुछ नहीं बचा है।

चौथे हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला में गुरुवार को उद्घाटन भाषण दे रहे थे। 5 दिन चलने वाले इस हिन्दू मेले में देशभर के संतों ने भाग लिया। इस दौरान साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि मुझे चित्तोड़ की धरती को प्रणाम करना है जहां देवियों ने लाशों के साथ दुष्कर्म करने वालों के खिलाफ अग्नि स्नान कर जौहर किया। जब वह लोग अपने प्राण को त्याग सकते हैं। तो हम भय और लालच के लिए अपना धर्म क्यों त्यागे। साध्वी ने कहा कि एक दो बेटियों की मां रात को चैन से नहीं सो पाती है। लेकिन मैं संन्यासी होने के बाद हजारों बेटियों की मां हूं। उन्हें पढ़ने से लेकर शादी तक करने की जिम्मेदारी मेरी है।

सरकारी अस्पतालों में बदलेगा समय

जयपुर। जयपुर के एसएमएस समेत दूसरे अस्पतालों में का समय बदलेगा। शीतकालीन व्यवस्था के तहत 1 अक्टूबर से समय बदलेगा। 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक सुबह 9 बजे से ओपीडी शुरू होगी। सामान्य दिनों में दोपहर 3 बजे तक चलेगी।

जिसको लेकर एसएमएस अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने आदेश जारी किए। रजिस्ट्रेशन का काम सुबह 8.30 बजे से शुरू होगा, जो दोपहर 3 बजे तक जारी रहेगा। रविवार और राजपत्रित अवकाश के दिन दो घंटे सुबह 9 से 11 बजे तक ओपीडी चलेगी।

कैथल में दिया कुमारी ने भाजपा के लिए मांगे वोट

कैथल/अंबाला। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज हरियाणा के कैथल में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। दिया कुमारी ने अपने दो दिवसीय चुनावी दौरे के शुरुआत में कैथल के जिला सैनी भवन में भाजपा उम्मीदवार लीलाराम के पक्ष में एक महिला सम्मेलन को संबोधित किया और फिर पाडला में राजपूत समाज के लोगो से मुलाक़ात की। दोपहर में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाना से भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के पक्ष में वोट माँगे। इसके बाद दिया कुमारी ने अंबाला शहर के क्षित्रय समाज के प्रबुधजन से जनसंपर्क किया और भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के समर्थन में एक सभा को संबोधित किया।

कैथल में महिला शक्ति सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार लीला राम को जीत की अग्रिम बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की आधी आबादी रखने वाले महिला वर्ग के उत्थान व सम्मान के लिए अनेको ऐतिहासिक कार्य किये। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, प्रसवकालीन अवकाश, सेना में अवसर, लखपति दीदी, आंगनबाड़ी अपग्रेडेशन जैसे कई निर्णय केन्द्र सरकार ने किये। दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सभी फ्लैगशिप योजनाओं को सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को मिला है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होने कहा कि संवैधानिक पद पर रहते हुए भी राहुल गांधी द्वारा विदेश में जा कर समाज को बांटने के लिए गलत बयानबाजी की गई जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के मंत्री और मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के मामलों में जेलों में बन्द है या जमानत पर है।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह से अपील की और कहा कि हरियाणा में विकास का क्रम आगे भी चलता रहे इसके लिए तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की डबल इंजन सरकार बननी चाहिए। मुलाना में भाजपा उम्मीदवार संतोष सारवान के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किसानों, सैनिको, महिलाओं और युवाओ के कल्याण की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की कड़ी से कड़ी जुड़ने से ही सही मायने में विकास संभव है।

अंबाला शहर से भाजपा उम्मीदवार असीम गोयल के पक्ष में क्षत्रिय समाज के प्रबुद्धजन सभा को संबोधित करते हुए दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व देश की सीमाएँ सुरक्षित हुई है और सेना सशक्त हुई है।

वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग

जयपुर । मंत्रालयिक संवर्ग की वेतन विसंगतियों एवं अन्य समस्याओं के लिए राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के शिष्टमंडल ने अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ औश्र राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका के संयुक्त नेतृत्व में मुख्यमंत्री कार्यालय तथा मुख्य सचिव एवं अतिरिक्त वित्त सचिव को ज्ञापन दिया। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान 1 सितंबर 2024 से सभी की वेतन विसंगतियां दूर करने की घोषणा के बावजूद सितंबर माह खत्म होने को है लेकिन अभी तक ना तो सांवत और खेमराज समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की गई और ना ही कोई कार्यवाही की गई है। जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश प्राप्त है। गत सरकार में कैबिनेट द्वारा संस्थापन अधिकारी की ग्रेड पे 6000 से बढ़ाकर 6600 अनुमोदित कर दी गई थी , लेकिन अभी तक उसके आदेश नहीं निकले हैं । सचिवालय एवं अन्य संवर्गों की भांति मंत्रालयिक संवर्ग को दूसरी पदोन्नित पर ग्रेड पे 4200, संस्थापन अधिकारी के आगे उप निदेशक प्रशासन का पद सृजित करने, पदोन्नितयों के खिलाफ स्टे निरस्त करवाने आदि प्रमुख मांगे हैं।

भगवा रैली 29 को

जयपुर। महान मराठा सम्राट छत्रपति शिवाजी के हिंदू राष्ट्र की मांग को पूरा करने और आमजन में हिंदू राष्ट्र के लिए जनजागृति पैदा करने के उद्देश्य से रविवार को भगवा रैली का आयोजन किया जाएगा। युवा शक्ति मंच की ओर से आयोजित इस रैली का नेतृत्व राज्य के सभी प्रमुख संत करेंगे। इसकी जानकारी देते हुए युवा शक्ति मंच राजस्थान के प्रदेश संयोजक सुनील सिंह शेखावत ने गुरूवार को प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से यह रैली खोले के हनुमान मंदिर से शुरू होकर न्यू गेट स्थित रामलीला मैदान तक निकाली जाएगी।

उन्होंने बताया कि रैली में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, मुख्यमंत्री के पुत्र व युवा भाजपा नेता कुणाल शर्मा, विधायक बालमुकुन्दाचार्य, गोपाल शर्मा, महेन्द्र मीणा और विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशी रहे चन्द्रमनोहर बटवाडा व रवि नैय्यर शामिल होंगे।

स्मैक तस्करी में लिप्त बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने ऑपरेशन आग और ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत भांकरोटा इलाके कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्कर व अवैध हथियार रखने वाले आरोपित करण सिन्धी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से 209 ग्राम 90 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक, अवैध पिस्टल और 52 हजार 600 रुपये व कार बरामद की है। पुलिस की प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित अवैध मादक पदार्थ अकलेरा झालावाड़ से लाकर जयपुर में सप्लाई करता है। जब्त की गई अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित बाजार मूल्य 10 लाख रुपये है। पुलिस आरोपित से पूछताछ करने में जुटी है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित करण सिन्धी अवैध मादक पदार्थ स्मैक अकलेरा झालावाड़ से लेकर आना बताया एवं अवैध हथियार के संबंध में बताया कि पिस्टल उसके पास काफी समय पहले की है। उसके काफी दुश्मन है उनसे बचने के लिये यह पिस्टल रख रखी थी। आरोपित अवैध मादक पदार्थ स्मैक मणिपाल यूनिवर्सिटी बगरु एवं भांकरोटा क्षेत्र में स्थित कॉलेजों के आस-पास सप्लाई करता है।

'आर.यू.एच.एस. अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करें'

जयपुर । चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध अस्पताल को एम्स की तर्ज पर राजस्थान इंस्टीट्ययूट आफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) में विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्रभावी एक्शन प्लान बनाते हुए जल्द काम शुरू किया जाएगा। यह काम चरणबद्ध रूप से समय सीमा में पूरा किया जाएगा। आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के लिए आवश्यक स्टाफ भी लगाएंगे।

खींवसर गुरूवार को आरयूएचएस में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय, रिम्स के विकास एवं अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने, सवाई मानसिंह अस्पताल का रोगी भार कम करने एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 750 करोड़ रूपए की लागत से आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। अधिकारी इस घोषणा को निर्धारित टाइमलाइन में मूर्त रूप दें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रिम्स के विकास के लिए होने वाले निर्माण कार्यों, जांच एवं उपचार के लिए उपकरणों तथा

- **चिकित्सा मंत्री ने एक्शन प्लान बनाने के दिए निर्देश, 750 करोड़ की लागत से चरणबद्ध रूप से होगा काम**

चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की आवश्यकताओं का आंकलन कर एक एक्शन प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि रिम्स के रूप में इस संस्थान का विकास होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर से आने वाले रोगियों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ होंगी। खींवसर ने वर्तमान में संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं एवं भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की उपलब्धता की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि अस्पताल में आईपीडी सेवाओं का पूरा उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक स्टाफ नियोजित किया जाए। साथ ही, आवश्कतानुरूप भर्ती प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जाए। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया आरयूएचएस में चिकित्सक व अन्य स्टाफ नियोजित करने के विभिन्न विकल्पों पर काम किया जा रहा है।

बिना आदेश वसूली रद्द की

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने लघु उद्योग इकाई को गलत तरीके से जारी अनुदान को वापस लेने के लिए बिना आदेश की जा रही वसूली की कार्रवाई को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में पुनः जिला उद्योग केन्द्र के जीएम को भेजते हुए विधि अनुसार कार्रवाई करने को कहा है।

जस्टिस अवनीश झिंगन की एकलपीठ ने यह आदेश इंडिया इमेज की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह सुस्थापित कानून है कि अर्ध न्यायिक अधिकारी को तर्कपूर्ण आदेश पारित करना होता है, लेकिन मामले में अनुदान वापस लेने का कोई आदेश पारित किए बिना ही वसूली कार्रवाई शुरू कर दी गई।

याचिका में अधिवक्ता जय शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वर्ष 1990 में अनुदान के लिए आवेदन किया था। जिला स्तरीय कमेटी ने 29 सितंबर, 1997 को 10.83 लाख रुपए की अनुदान राशि स्वीकृत कर दी और बाद में याचिकाकर्ता को इस राशि का अनुदान मिल गया।

याचिका में बताया गया कि 11 मार्च, 1999 को जिला उद्योग केन्द्र के जीएम ने याचिकाकर्ता को पत्र भेजकर कहा कि उसे अनुदान राशि गलत जारी हो गई है और वह ब्याज सहित राशि लौटाए।

फर्जी ई-चालान से बचने के लिए पुलिस मुख्यालय की एडवाइजरी

वैध-अवैध एस.एम.एस. की पहचान के बाद ही करे ऑनलाइन भुगतान

जयपुर (कासं)। पुलिस मुख्यालय की ओर से यातायात नियमों के उल्लंघन पर नागरिकों को प्राप्त होने वाले ई-चालानों के भुगतान से सम्बंधित लिंक में साइबर ठगों की हेराफेरी के बारे में आम नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। आमजन फर्जी ई-चालानों से बचे तथा वैध और अवैध एसएमएस में अंतर की पहचान कर सके, इसके लिए एडवाइजरी में महत्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी का समावेश किया गया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), साइबर अपराध, एससीआरबी एवं तकनीकी सेवाएं हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि वर्तमान तकनीक युग में नागरिकों द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर उनको ई-चालान- जारी किए जाते है, जो नियमों की अवहेलना करने वाले व्यक्ति के रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर पर एएएमएस द्वारा भेजे जाते हैं। प्रदेश में साइबर अपराधियों द्वारा फर्जी ई-चालान के माध्यम से तकनीकी पेचिदगियों से अनजान लोगों को ठगने के मामले प्रकाश में आए है। आमजन फर्जी ई-चालन के माध्यम से होने वाली धोखधड़ी या जालसाजी के शिकार नहीं हो, इसके लिए यह

- **लोग जागरूक रहें, ई-चालान का मैसेज कभी वॉट्सएप पर नहीं भेजा जाता : प्रियदर्शी**
- **उन्होंने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एस.एम.एस. भेजा जा सकता है।**

एडवाइलरी जारी की गई है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि ई-चालान ऑनलाईन वाहनों के चालान रजिस्ट्रेशन के समय दर्ज मोबाईल नम्बर पर केवल एसएमएस द्वारा ही भेजा जाता है, वाट्सएप एप्लीकेशन पर कभी नहीं भेजा जाता है। अधिकृत एसएमएस का हैडर केवल "वाहन" ही होता है। इस एसएमएस संदेश में विभाग द्वारा यातायात नियमों से सम्बंधित विवरण और चालान का भुगतान करने के लिए लिंक भेजा जाता है। साइबर ठग इससे मिलते-जुलते नाम से फर्जी ई-चालान बनाकर ठगी का प्रयास कर सकते है। ऐसे में वे नागरिक जिन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन किया ही नहीं हो, उनको भी फर्जी एसएमएस या वॉटसएप मैसेज भेजकर धोखाधड़ी का शिकार बनाया जा सकता है। उन्होंने नागरिको से अपील की है कि वे फर्जी और वैध एसएमएस की पहचान करके जालसाजी का शिकार होने से बचे।

प्रियदर्शी ने बताया कि ई-चालान के लिए जो मैसेज प्राप्त होता है इसकी वैधता की पहचान या एसएमएस हैडर को जानने के लिए 1909 नम्बर पर एसएमएस भेजा जा सकता है। डीजीपी (साइबर अपराध) ने बताया कि इसके बाद भी यदि भुगतान के लिए प्राप्त ई-चालान पर तनिक भी संदेह हो तो आम नागरिक यातायात पुलिस अधिकारी के पास उपलब्ध पोस मशीन पर चालान नम्बर की जांच के बाद भुगतान कर सकता है। इसके अलावा ई-चालान का भुगतान एप के माध्यम से भी किया जा सकता है।

डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट्स का प्रिंसिपल के खिलाफ प्रदर्शन

जयपुर । राजधानी के आरयूएचएस से संबद्ध शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज के रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने गुरुवार को प्रिंसिपल के खिलाफ मोर्चा खोलकर प्रदर्शन किया। रेजिडेंट्स ने प्रिंसिपल पर एक प्राइवेट महिला डॉक्टर का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए कॉलेज में दखलअंदाजी का आरोप लगाया। हालांकि, प्रिंसिपल ने अपने उपर लगे इन आरोपों को झूठा बताया है।

शास्त्री नगर स्थित सरकारी डेंटल कॉलेज में रेजिडेंट चिकित्सकों ने जमकर हंगामा किया।

प्रिंसिपल से इस्तीफा की मांग करते हुए स्ट्राइक कर दी और नारेबाजी की। नारेबाजी से नाराज होकर प्रिंसिपल ने प्रदर्शन के दौरान इस्तेमाल किए जा रहे पोस्टर्स को फाड़ दिया।

रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने आरोप लगाए कि एक प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स द्वारा रेजिडेंट चिकित्सकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। रेजिडेंट्स का कहना है कि प्राइवेट प्रैक्टीशनर्स ओरल सर्जरी विभाग के सभी मामलों और मरीजों के इलाज की प्रक्रिया में दखलअंजादी करती हैं, जबकि उनका अस्पताल से कोई लेना-देना नहीं है।

रेजिडेंट चिकित्सकों ने यह भी कहा कि प्राइवेट डॉक्टर ओपीडी में रेजिडेंट के नाम पर अधीकृत मरीजों को बहला कर उनकी सर्जरी करती हैं। रेजिडेंट्स के साथ बदतमीजी करना उनका रोजमर्रा का काम है।

रेजिडेंट्स का आरोप है कि डेंटल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनय कुमार का उन्हें पूरा समर्थन है। इस मामले में पहले भी आरयूएचएस को शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रेजिडेंट्स डॉक्टर्स ने प्रिंसिपल को हटाने की मांग की है। कुछ समय पहले इस पूरे मामले को लेकर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से एक नोटिस भी डेंटल कॉलेज को जारी किया गया था। इसमें डॉक्टर को लेकर जानकारी मांगी गई थी। इसके बावजूद रेजिडेंट चिकित्सकों का आरोप है कि कॉलेज ने इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं की।

'एमनेस्टी स्कीम के दायरे में आने वाले बकायादारों से करें वसूली'

खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने गुरूवार को अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व वृद्धि के मुद्दे पर चर्चा की।

जयपुर (कासं)। खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने विभागीय एमनेस्टी योजना के दायरें में आने वाले सभी बकायादारों को पत्र जारी करने के साथ सीधे संपर्क कर उन्हें विभागीय बकाया व ब्याजमाफी योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं।

- **'लीजधारकों और विभाग के बीच बेहतर समन्वय हों, स्थानीय स्तर पर समस्याओं का समाधान करें'**

उन्होंने कहा कि इससे बकाया वसूली के प्रकरणों का निस्तारण होगा वहीं राज्य सरकार में राजस्व की प्राप्ति और बकाया वसूली में लगने वाले समय व धन की बचत होगी। उन्होंने स्थानीय स्तर पर ऐसा मंच बनाने पर भी जोर दिया जहां लीजधारकों और विभागीय अफसरों के बीच परस्पर समन्वय से खनिज गतिविधियों को और अधिक विस्तारित किया जा सके।

खान एवं पेट्रोलियम प्रमुख सचिव टी. रविकान्त गुरुवार को खनिज विभाग में खान एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों से रुबरु हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि विभाग को स्थानीय स्तर पर ऐसा मैकेनिज्म विकसित करना होगा जिससे लीजधारकों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का समय रहते समाधान हो सके। इससे खोज खनन कार्य में आ रही बाधाएं दूर होगी तो खनन व राजस्व में बढ़ोतरी होने के साथ ही अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लग सकेगा। एमनेस्टी योजना की चर्चा करते हुए कहा कि बकायादारों से वन टू वन संपर्क करने से पुरानी बकाया की वसूली हो सकेगी। इसके लिए समयवद्ध टाइमलाईन तय की जा सकती है।

रविकान्त ने खनिज पट्टों की नीलामी के बाद पट्टाधारकों के सामने आने वाली समस्याओं की और इशारा करते हुए कहा कि इससे खनन गतिविधियां आरंभ होने में देरी होती है और अन्य ब्लॉकों की नीलामी में भी विपरीत असर पड़ता है। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एसआईटी और माइनिंग कमेटी की मीटिंग से पहले इस तरह के बिन्दुओं को चिन्हित किया जाना चाहिए ताकि मीटिंग में हल निकाला जा सके।

दो आई.ए.एस. सहित अन्य अफसरों को अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती रोक के बावजूद भी नगर निगम के कर्मचारी को सेवा से हटाने के मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव टी रविकांत और नगर निगम ग्रेटर की आयुक्त रुक्मणी रियाड सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश प्रदीप कुमार शर्मा की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता तरुण चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता वर्ष 1996 में नगर निगम की विद्युत विंग में हेल्पर कम स्टोर कीपर के पद पर लगा था। इसके बाद से वह लगातार इस पद पर काम कर रहा था। इस बीच वर्ष 2014 में उसे सेवा से हटा दिया गया।

कौशल शिविर में जुटे 3 हजार उम्मीदवार

जयपुर । उप क्षेत्रीय रोजगार कार्यालय जयपुर द्वारा गुरुवार 26 सितंबर को सांभरलेक स्थित राजकीय शाकम्भर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कौशल, रोजगार, उद्यिमता शिविर एवं करियर सेमिनार का आयोजन हुआ।

उप-प्रादेशिक रोजगार कार्यालय की उप निदेशक श्रीमती नवरेखा ने समारोह में अपने अनुभव साझा किये और विद्यार्थियों को प्रेरित किया और रोजगार के अवसरों तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने बताया कि शिविर में 3 हजार 296 बेरोजगार युवा पंजीकृत हुए।

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब मिलेगी विश्वस्तरीय रेडियोथैरेपी की सुविधा

जयपुर । स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में अब अत्याधुनिक रेडियो थैरेपी मशीन से कैंसर रोगियों को विश्व स्तरीय उपचार मिल सकेगा। यह मशीन बेहद कम समय में कैंसर ट्यूमर खत्म कर देती हैं। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने इंस्टीट्ययूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में स्थापित की गई लीनियर एक्सेलरेटर मशीनों व सीटी सिम्युलेटर मशीन का लोकार्पण किया। प्रदेश में रेडियोथेरेपी की यह नवीनतम मशीनें हैं।

इस अवसर पर चिकित्सा मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि करीब 54 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित इन अत्याधुनिक मशीनों के प्रारंभ होने से ब्रेस्ट, लंग, हैड और नेक कैंसर की जांच एवं उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। लाखों रुपए खर्च कर होने वाला उपचार यहां निःशुल्क प्राप्त हो सकेगा। इन मशीनों से ट्यूमर का पता लगाने एवं रेडियोथेरेपी में सटीकता आएगी तथा कैंसर रोगियों को विश्वस्तरीय उपचार मिल सकेगा। स्टेट कैंसर इंस्टीट्ययूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने बताया कि रेडियोथेरेपी की ये लीनियर एक्सेलरेटर मशीनें कहीं अधिक फोकस रेडिएशन एक्सपोजर देती हैं। जिससे ट्रीटमेंट टाइम बहुत कम हो गया है और इलाज भी आसान हो गया है। नवीनतम मशीनें स्टीरियो टैक्सी सर्जरी कर सकती हैं, जिससे एक ही बार में ट्यूमर खत्म हो सकता है। साथ ही आस पास के कैंसर सेल्स भी खत्म हो जाते हैं। इसमें रेडिएशन का पूरा प्रोसीजर 2 मिनट में खत्म हो जाता है। पहले की तरह रेडियोथेरेपी कराने वाले मरीजों में त्वचा पर कालापन आने और दूसरे साइड इफेक्ट्स इस मशीन से नहीं होंगे। इसका सबसे बड़ा फायदा यह रहेगा कि रेडिएशन एक्सपोजर के समय आस पास के अंगों को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचेगा। नई सीटी सिम्युलेटर मशीन से मरीज को स्कैन कर उसके ट्रीटमेंट की प्लानिंग सॉफ्टवेयर में ही वर्चुअली ही की जा सकेगी। इससे इलाज और ज्यादा सटीक हो जाएगा और इलाज के दौरान होने वाली जटिलता का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। ये सभी मशीनें शुक्रवार से सेवाएं देना शुरू कर देंगी। पूरे देश में कुछ ही सेंटर्स पर ऐसी तकनीक उपलब्ध है।

कोटा में करोड़ों रुपए के ऑक्सीजन प्लांट तीन साल में ही ठप हुये

कोटा में मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 24 में से 20 ऑक्सीजन प्लांट ठप पड़े हुए हैं, सिलेंडर के भरोसे चल रही है व्यवस्थाएं

कोटा, (निसं)। कोविड-19 के दौरान कोटा में ऑक्सीजन की कमी को दूर करने के लिए मेडिकल कॉलेज कोटा के अस्पतालों में एक के बाद एक 24 प्लांट स्थापित किए गए थे। महज 3 सालों के अंतराल में ही हालात ऐसे बन गए हैं कि 20 प्लांट आज बंद की स्थिति में हैं। केवल चार प्लांट से ही ऑक्सीजन की सप्लाई हो रही है। ऐसे में मेडिकल कॉलेज के चारों अस्पताल जेके लोन, एमबीएस, न्यू हॉस्पिटल और सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में सिलेंडर पर निर्भरता बढ़ गई है, जबकि इन अस्पतालों में लगे प्लांट की क्षमता इतनी है कि जिसे 1500 से ज्यादा सिलेंडर रोज भरे जा सकते हैं। इससे उलट अस्पतालों में रोज 400 से 500 सिलेंडर मंगवाए जा रहे हैं।

कोटा के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट बंद होने के चलते सिलेंडर के जरिए काम चलाना पड़ रहा है।

- अधिकांश ऑक्सीजन प्लांट कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी (तत्कालीन यूआईटी) ने तैयार करवाए थे, इसको लेकर केडीए और डीआरडीओ को भी लेटर भेजे गए हैं

अस्पतालों में स्थापित किए गए ऑक्सीजन प्लांट लगाने पर करोड़ों रुपए का खर्चा हुआ है। पीएम केयर फंड के अलावा राज्य सरकार ने भी पैसा लगाया था। स्थाई रूप से इनका उपयोग किए जाने पर लाखों रुपए महीने की बचत की जा सकती है लेकिन इनका रूटीन मेंटेनेंस भी नहीं हुआ। इसी के चलते अधिकांश प्लांट बंद हैं। कुछ तो गारंटी में ही बंद हो गए जिनको लगाने वाली कंपनी ने दुरुस्त नहीं किया है। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में पांच प्लांट हैं। इनमें एक लिक्विड ऑक्सीजन का 20 हजार लीटर का प्लांट है। यह प्लांट वर्तमान में काम कर रहा है जबकि चार प्लांट अलग-अलग क्षमता के हैं जिनमें कुल क्षमता करीब 2200 लीटर प्रति मिनट है। इनमें से एक ही प्लांट वर्तमान में काम कर रहा है। ऐसे में अस्पताल में सिलेंडर की निर्भरता बढ़ गई है। अस्पताल को हर दिन 250 से 300 के आसपास ऑक्सीजन सिलेंडर चाहिए। 120 के आसपास सिलेंडर वर्तमान में मंगवाए जा रहे हैं जबकि यह प्लांट चालू होते तो इन्हें मंगवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसी तरह से एमबीएस अस्पताल में वर्तमान में रोज 150 सिलेंडर मंगवाए जा रहे हैं। इसी तरह से जेके लोन अस्पताल में करीब 100 से 125 के बीच सिलेंडर रोज मंगवाए जा रहे हैं।

दूसरी तरफ सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) की बात की जाए तो वहां पर 6 प्लांट अलग-अलग कैपेसिटी के हैं। इनकी कुल क्षमता 3500 लीटर प्रति मिनट की है। इनमें से एक ही प्लांट काम कर रहा है जबकि एक प्लांट ढाई साल से बंद है। शेष तीन प्लांट जनवरी मार्च और जुलाई में बंद हुए हैं। एक प्लांट ठेकेदार ने हैंडओवर नहीं किया है क्योंकि वह ठीक से ऑक्सीजन जेनरेट नहीं कर पा रहा था। अधिकांश ऑक्सीजन प्लांट कोटा डेवलपमेंट अथॉरिटी (तत्कालीन यूआईटी) ने तैयार करवाए थे। इसको लेकर केडीए और डीआरडीओ को भी लेटर भेजे गए हैं।

कोटा मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ.संगीता सक्सेना का कहना है कि चारों मेडिकल अस्पताल के सुपरीटेंडेंट इनकी निगरानी करते हैं। मेडिकल कॉलेज प्रशासन के द्वारा भी समय-समय पर केडीए (तत्कालीन यूआईटी) को इसके विषय पर लिखा जाता रहा है। उनके द्वारा कई बार इंस्टॉलेशन भी कराया गया है। कहीं प्लांट हैंडओवर नहीं हुए हैं वह भी एक समस्या सामने आ रही है। समस्या के समाधान के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल और सरकार लगातार प्रयासरत है।

जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा का कहना है कि हमने इन प्लांट को दुरुस्त करने को लेकर केडीए के अधिकारियों को कई बार लिखा है। व्यक्तिगत रूप से जाकर भी मुलाकात की है। वह जयपुर के स्तर से इन्हें दुरुस्त करने की बात कहते हैं। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल की तरफ से भी पत्र व्यवहार किया गया है। हमने संभाग आयुक्त को भी इस संबंध में जानकारी दी है। डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि ऑक्सीजन नेसेसरी है और तुरंत हमें लेनी भी आवश्यक है। इसीलिए सिलेंडर से आपूर्ति जारी रखने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

एमबीएस अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. धर्मराज मीणा का कहना है कि लिक्विड ऑक्सीजन और ऑक्सीजन जनरेशन के प्लांट भी बंद हैं। ऐसे में सिलेंडर के जरिए सप्लाई ली जा रही है। कुछ प्लांट से भी ले रहे हैं। इनको दुरुस्त करवाने को लेकर लगातार प्रयास भी किए जा रहे हैं।

अनियंत्रित कार दूध के टैंकर से टकराई, चार जनों की मौत

कार चालक सहित परिवार में से पिता, पुत्री व पुत्र की मौत हो गई

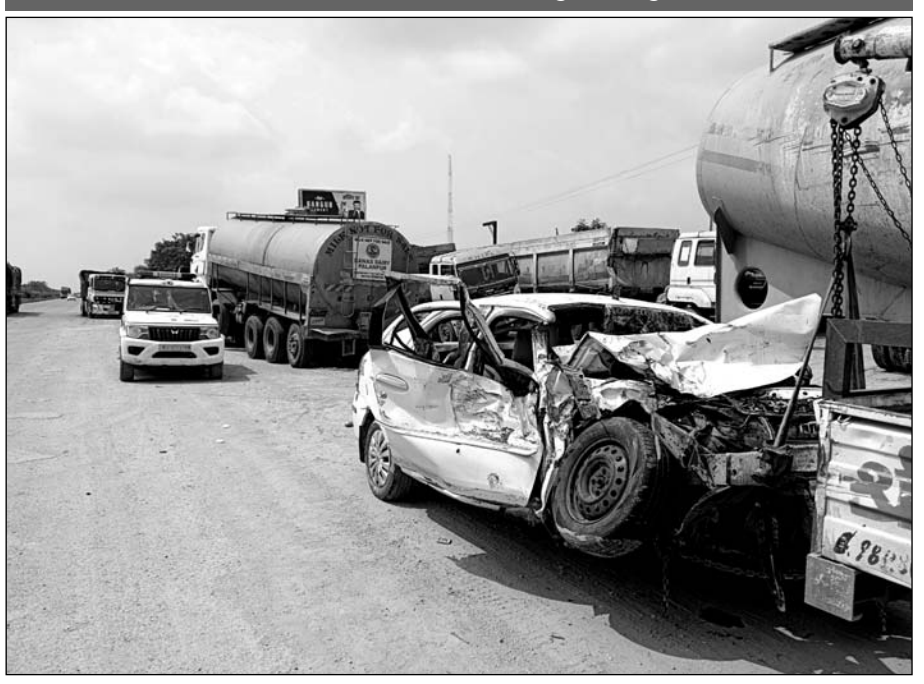
अचानक गलत दिशा से आए टैंकर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए।

सावरदा, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर गिदानी के पास गुरुवार को सुबह दस बजे बाद जयपुर से अजमेर कि ओर जा रहा एक दूध का टैंकर, अचानक अनियंत्रित होकर राजमार्ग के बीचों-बीच बने डिवाईडरों को लांघकर, राजमार्ग के दूसरे छोर पर अजमेर जयपुर मार्ग से गुजर रही एक कार से जा टकराया, जिसके चलते कार चालक सहित कार में सवार परिवार में से पिता पुत्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पुत्र व उसकी मां को गंभीर घायल अवस्था में होने के चलते जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल ले जाया गया।

- कार में सवार परिवार देहरादून से तीर्थराज पुष्कर घूमने आए थे

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में गंभीर घायल पुत्र विकास ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। कार में सवार परिवार देहरादून से तीर्थराज पुष्कर घुमने आए थे। गुरुवार को वापस जयपुर की तरफ जा रहे थे। अचानक गलत दिशा से आए टैंकर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़ गए। कार चालक गौरव (30) तथा कार सवार सहित सत्येन्द्र (62) उनकी पुत्री अंकिता (20) कि मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल विकास पुत्र सत्येन्द्र गीता देवी पत्नि सत्येन्द्र को जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा व मौजमाबाद थाना इंचार्ज संजय मीणा मौके पर पहुंचे तथा मौके पर एकत्र ग्रामीणों व अन्य वाहन चालकों की मदद से घायलों को दुर्घटनाग्रस्त कार से बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाने के बाद घटना का मौका मुआयना किया।

मिड-डे-मील योजना के तहत कार्यरत 514 कुक कम हेल्परों को मानदेय नहीं मिला

कुक कम हेल्परों को करीब छह माह से मानदेय नहीं दिया जा रहा है, महिलाओं के घर में आर्थिक तंगी छाई

सूरतगढ़, (निसं)। एक तरफ राज्य सरकार सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध करवाने के दावे कर रही है। वहीं सूरतगढ़ ब्लॉक में 293 सरकारी विद्यालयों में मिड-डे-मील योजना के तहत कार्यरत 514 कुक कम हेल्परों को करीब छह माह से मानदेय नहीं दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को पोषाहार खिलाने वाली महिलाओं के घर में आर्थिक तंगी की वजह से चूल्हा जलाना मुश्किल हो गया है। इसको लेकर कुक कम हेल्परों में रोष बढ़ता जा रहा है।

ब्लॉक में मिड-डे-मील योजना के तहत 293 सरकारी विद्यालयों में कक्षा प्रथम से लेकर आठवीं तक के 24030 विद्यार्थियों को दोपहर का पोषाहार खिलाया जा रहा है। पोषाहार पकाने के लिए 514 कुक कम हेल्पर कार्यरत है। एक स्कूल में पचास बच्चों पर एक कुक कम हेल्पर है। कुक कम हेल्पर को अप्रैल 2024 से 2143 रुपये प्रति महीना मानदेय मिल रहा है। इसमें केंद्र सरकार की तरफ से 600 रुपये और राज्य सरकार की तरफ से 1,543 रुपये दिए जाते हैं। इस मंहगाई में प्रतिदिन कुक कम हेल्पर का काम करने वाली महिलाओं में विद्यालय की साफ सफाई से लेकर भोजन तैयार करने से लेकर परोसने तक का कार्य करना पड़ता है। इसके बावजूद ब्लॉक में करीब छह माह से इन महिलाओं को मानदेय नहीं मिल रहा। इससे इनके सामने अपने घर का चूल्हा जलाने की समस्या खड़ी हो गई है।

सूरतगढ़ ब्लॉक के कुक कम हेल्परों को मार्च माह के बाद से मानदेय भुगतान नहीं हुआ। अब तक 47.98 लाख रुपए का मानेदय भुगतान बकाया है। इस संबंध में सीबीईओ कार्यालय से जिला मुख्य शिक्षा अधिकारी कार्यालय को 11 सितम्बर को पत्र प्रेषित किया जा चुका है। इससे पूर्व में भी शिक्षक संगठनों की ओर से कई बार शिक्षा अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा। जानकारी के अनुसार ई-केवाईसी नहीं होने की वजह से भी पोषाहार पकाने वाली महिलाओं के बैंक खाते में मानदेय नहीं आ रहा। इस समस्या का भी अभी तक समाधान नहीं हो सका है।

पोषाहार पकाने के लिए कुक कम हेल्पर का इंतजाम करना शिक्षकों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। शिक्षक इस मजबूरी में पोषाहार में कटौती कर कुछ रुपए कुक कम हैल्पर को हर माह अतिरिक्त देते हैं, तब जाकर पोषाहार तैयार होता है। कई स्कूलों में शिक्षक खुद कलेक्शन करके देते हैं। भट्टी के पास तपकर सैकड़ों बच्चों का खाना बनाने वाली कुक कम हेल्पर को मनरेगा श्रमिक से चौथाई मानदेय दिया जाता है। विद्यालय में मिड-डे-मील योजना के तहत पोषाहार का मीनू भी तय है।

कुक कम हेल्पर मीनू, संतोष, सावित्री, ज्योति, लीलादेवी आदि का कहना है कि विद्यालयों में बच्चों के लिए प्रतिदिन भोजन तैयार करते हैं, लेकिन लम्बे समय से मानदेय नहीं मिल रहा। इस संबंध में विद्यालय प्रशासन को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। लेकिन मानदेय नहीं मिल रहा। मानदेय के अभाव में घर का चूल्हा जलाना मुश्किल हो रहा है। उधार लेकर काम चलाया जा रहा है। इस समस्या का समाधान शीघ्र होना चाहिए। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मधुबाला ने बताया कि ब्लॉक के कुक कम हेल्परों का मानदेय को लेकर समस्या आ रही है। इसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया जा चुका है। मानेदय संबंधित समस्या का शीघ्र ही समाधान करवाएंगे।

बंदियों को सिम देने के मामले में जेल प्रहरी गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। अजमेर की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली हाई सिक्योरिटी जेल के मुख्य जेल प्रहरी को सिविल लाइन थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रशासन ने आरोपी के गिरफ्तारी की सूचना जेल विभाग के उच्च अधिकारियों को दे दी है। आरोपी द्वारा जेल में बंद विचाराधीन बंदी के भाई से दो सिम मंगवाकर हार्डकोर बंदियों को दी थी। 27 जून को जेल प्रशासन के सर्च ऑपरेशन के दौरान एक की-पेड मोबाइल और सिम बरामद की थी। जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ ने सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- आरोपी द्वारा जेल में बंद विचाराधीन बंदी के भाई से दो सिम मंगवाकर हार्डकोर बंदियों को दी थी
- 27 जून को जेल प्रशासन के सर्च के दौरान एक की-पेड मोबाइल और सिम बरामद की थी

पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि 27 जून में हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल और सिम मिलने के मामले में मुख्य जेल प्रहरी रूपनगर निवासी वीरपाल पुत्र किशन को देर रात गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया था कि जेल से बरामद सिम केकड़ी निवासी कालूराम के नाम पर थी। पुलिस ने कालूराम को पूछताछ के लिए बुलाया था। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि वह जेल में बंद विचाराधीन बंदी अपने भाई मुकेश से मिलने आया था। इस दौरान उसकी मुलाकात मुख्य जेल प्रहरी वीरपाल से हुई थी। उसने कालूराम से अपने नाम पर दो सिम लाने को कहा था।

पुलिस उपाधीक्षक रूद्र प्रकाश शर्मा ने बताया कि जेल में रेप केस में बंद एक आरोपी के भाई से सिम मंगाई थी। कालूराम से दो सिम लेकर उसे सौंपी थी। वीरपाल ने यह सिम हार्डकोर बंदी सीकर निवासी विक्रम गुर्जर और जयपुर निवासी रोशन पुत्र गोपाल जाट को दी थी। पूर्व में पुलिस ने दोनों हार्डकोर बंदियों को गिरफ्तार किया था। दोनों आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि जेल प्रहरी वीरपाल ने सिम मुहैया करवाई थी।

सर्च ऑपरेशन में मिला था मोबाइल व सिम :- उल्लेखनीय है कि जेल में सर्च ऑपरेशन के दौरान बैरक नंबर दो में खिड़की के पास रखी एक किताब अंदर एक मोबाइल सिम और चार्जर बरामद हुआ था। उल्लेखनीय है कि विक्रम गुर्जर राजू ठेठ हत्याकांड सहित अन्य मुकदमों में जेल में बंद है। वहीं रोशन पॉस्को सहित अन्य धाराओं के मामलों में जेल में बंद है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

समारोह के दौरान कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का माला पहनाकर स्वागत किया।

जयपुर। मां भगवती विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय, तसीमो (धौलपुर) में आयोजित 14 वर्ष आयु वर्ग की राज्य स्तरीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता सत्र 2024-25 का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री एवं झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया। इस आयोजन में राज्यभर से आए सैकड़ों युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी फुटबॉल कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का साधन है, बल्कि मानसिक शक्ति और अनुशासन का प्रतीक भी है। प्रतियोगिताएं हमारे युवाओं को सही दिशा में प्रेरित करती हैं और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को मेहनत, अनुशासन, और समर्पण के महत्व पर जोर दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कर्नल राठौड़ ने भविष्य में ऐसे और भी बड़े आयोजनों की योजना पर जोर देते हुए कहा कि हमें 2036 ओलंपिक तक की तैयारी करनी है।

- 2036 ओलंपिक के लिए तैयारी करनी हैः कर्नल राज्यवर्धन

इस अवसर पर कर्नल राज्यवर्धन ने मैदान में जाकर खिलाड़ियों से मुलाकात की, उन्हें उत्साहित करते हुए कहा, कि प्रतिस्पर्धा में हार या जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण खेल में पूर्ण मनोयोग से भाग लेना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को अब विश्वस्तरीय सुविधाएं और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। चाहे ओलंपिक प्रतियोगिता हो या एशीयन गेम्स, भारत के खिलाड़ी अब विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार भी खिलाड़ियों के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे भारत की युवा शक्ति खेलों में नया आयाम स्थापित कर सके।

आनंदपाल गैंग का गुर्गा आजाद सिंह प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच पुलिस आरोपी को अस्पताल से लेकर गई।

अजमेर, (कासं)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने कुख्यात आनंदपाल गैंग के गुर्गे आजाद सिंह को गुरुवार को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है। नागौर जिले के लाडनूं निवासी आजाद सिंह अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में बंद है। 3 सितंबर 2022 को जेल में तलाशी के दौरान आजाद जिस बैरक में बंद था, उसमें से मोबाइल फोन बरामद हुआ था, जिसके बाद जेल प्रशासन ने सिविल लाइन थाने में उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने अब उसे हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- जेल में तलाशी के दौरान आजाद सिंह के बैरक से मोबाइल मिला था

सिविल लाइन थाना पुलिस आरोपी आजाद सिंह की गिरफ्तारी के बाद उसे गुरुवार को भारी सुरक्षा के बीच जवाहर लाल नेहरु अस्पताल लाया गया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आजाद सिंह पर पहले से ही कई संगीन धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों आजाद सिंह को एक अन्य मामले में डीडवाना कोर्ट में पेश किया गया था। बहुचर्चित इन्द्रचंद अपहरण मामले में हुई उसकी पेशी हुई थी, जहां उसके साथ अन्य आरोपी कुलदीप सिंह, गुलजारी और देवेंद्र सिंह को भी पेश किया गया था। हालांकि इस पेशी में मुख्य गवाह इन्द्रचंद कोर्ट में उपस्थित नहीं हो सका, जिसके चलते कोर्ट ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। पेशी के बाद सभी आरोपियों को वापस अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल भेज दिया गया था।

मोटर बाइक से लद्दाख एडवेंचर पर निकले दो सीनियर सिटीजन का सम्मान

सेवानिवृत संजथ सिंह सैंगर और बृजमोहन खत्री सड़क मार्ग से लद्दाख तक आने-जाने की एडवेंचर यात्रा दो सप्ताह में पूरी करेंगे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर से लद्दाख तक सड़क से एडवेंचर यात्रा करने के लिए मोटर बाइक पर दो सीनियर सिटीजन बुलंद हौसले के साथ बीकानेर से रवाना हुए। साठ वर्ष से अधिक उम्र के बाद दो मित्रों ने दो सप्ताह में ही दुर्गम पहाड़ों घाटियों को मोटर बाइक से एडवेंचर टूर को करने के जज्बे को सलाम करने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा उनका सम्मान कर रवाना किया गया।

जोधपुर प्रांत खेलो भारत प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत ने बताया कि बीकानेर से दो सीनियर सिटीजन जिला शिक्षा अधिकारी से सेवानिवृत संजथ सिंह सैंगर और प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त बृजमोहन खत्री सड़क मार्ग से लद्दाख तक आने जाने की एडवेंचर यात्रा दो सप्ताह में पूरी करेंगे। दोनों सीनियर सिटीजन विद्यार्थी काल में एबीवीपी के कार्यकर्ता रहे हैं इसीलिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बीकानेर महानगर की ओर से उनकी इस प्रेरणादायी एडवेंचर यात्रा की सफलता की कामना के साथ उनका तुलसी सर्कल बीकानेर में माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया तथा एबीवीपी ध्वज केसरिया झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

मोटर बाइक से लद्दाख एडवेंचर पर निकले दो सीनियर सिटीजन का एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने सम्मान कर रवाना किया।

बीकानेर महानगर मंत्री रामनिवास बिश्नोई ने बताया कि माल्यार्पण एवं अभिनंदन कार्यक्रम में अभाविप खेलो भारत प्रांत संयोजक हिमांशु सारस्वत, बीकानेर महानगर खेलो भारत संयोजिका पूजा पडिहार, जिला संयोजक पुनित शर्मा, नगर मंत्री मोहित सिंह, कार्यालय मंत्री वेदांत शुक्ला, अभिलाष मेघवाल, छात्र कल्याण संघर्ष समिति के धनंजय सारस्वत, एनसपी कॉलेज छात्र संघ महासचिव राजेश साध, पूर्व महासचिव शबाना बानो, तनवीर भाटी, स्वरुप सिंह सोलंकी, राजकीय डूंगर कॉलेज के मनसुख डूडी व राजेश प्रजापत, रामपुरिया जैन कॉलेज से विक्रांत सिंह व नंदकिशोर, एमजीएस युनिवर्सिटी से पंकज शर्मा व हेमन्त कुमार, जैन कॉलेज के हिमांशु डांगी व प्रधुम्न सिंह, नेहरू शारदापीठ पीजी महाविद्यालय से सुरेश स्वामी व विशाल सिंह भाटी सहित बड़ी संख्या में छात्र नेता मौजूद रहे।

सीनियर टीम का माहौल बहुत अच्छा है सभी सीनियर बड़े भाइयों की तरह हैं जो अधिकतर समय माहौल को हल्का रखते हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में यह मेरे लिए एक स्वप्निल पदार्पण था। **- गुरजोत सिंह**

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम में चयन होने पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हालांकि, उनका ये रिटायमेंट तत्काल प्रभाव से नहीं है। टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से उन्होंने तत्काल प्रभाव से रिटायमेंट लेने की घोषणा कर दी है। शाकिब अल हसन भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में खेलेंगे। इसके बाद बांग्लादेश के लिए वह एक और सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने घरेलू मैदान में खेलेंगे। शाकिब अल हसन ने खुलास किया है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी घरेलू टेस्ट सीरीज इस प्रारूप में उनका आखिरी सीरीज होगी।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटारियानो बैरासी ने विश्व कप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

शतरंज विजेता खिलाड़ियों से मिले पीएम मोदी, कहा देश की बड़ी उपलब्धि

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के भारतीय विजेताओं से अपने आवास पर मुलाकात की। विजेता शतरंज खिलाड़ियों से मुलाकात का ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया। पीएम ने विजेता शतरंज

खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। शतरंज ओलंपियाड आर वैशाली, डी हरिका, तानिया सचदेव, विदित गुजराती, अर्जुन एरिगेसी और प्रज्ञानानंद को पीएम मोदी से बातें करते हुए वीडियो में देखा जा सकता है। इस बीतचीत के दौरान शतरंज खिलाड़ियों ने पीएम मोदी को शतरंज की बिसात का उपहार भी दिया। इस दौरान शतरंज की एक बाजी भी खेली गई। बता दें कि, हंगरी के बुडापेस्ट में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने शतरंज प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। पुरुष टीम ने 22 में से 21 अंक हासिल किए। शतरंज ओलंपियाड के 97 साल के इतिहास में पहली बार भारतीय खिलाड़ियों ने गोल्ड जीता है। पुरुष टीम ने अमेरिका ने रजत और उज्बेकिस्तान ने कांस्य जीता था। वहीं महिलाओं की टीम ने 19 अंक हासिल किए थे। महिलाओं में दिव्या देशमुख ने तीसरे और वंतिका अग्रवाल ने चौथे बोर्ड पर गोल्ड जीता।

शतरंज ओलिंपियाड जीतने वाली भारतीय टीम के लिए इनाम का ऐलान

नयी दिल्ली, 26 सितंबर । अखिल भारतीय शतरंज महासंघ ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष और महिला टीमों के लिए ईनामी राशि का ऐलान किया है। एआईसीएफ के अध्यक्ष नितिन नारंग ने बुधवार को सम्मान समारोह के दौरान घोषणा करते हुए बताया कि

ओलंपियाड में जीतने वाली टीमों को तीन करोड़ 20 लाख रुपये की ईनामी राशि दी जाएगी। विजेता टीम के हर सदस्य को 25-25 लाख रुपये मिलेंगे, जबकि पुरुष और महिला टीमों के कोच अभिजीत कुंटे और श्रीनाथ नारायण को 15-15 लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय दल के प्रमुख ग्रैंडमास्टर दिव्येंदु बरुआ को 10 लाख रुपये और सहायक कोचों को 7.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। एआईसीएफ के अध्यक्ष नारंग ने सम्मान समारोह के दौरान कहा कि, गोल्ड की भूख हंगरी में जाकर खत्म हुई, लेकिन सफलता की इच्छा आगे भी जारी रहेगी। ओपन वर्ग में हमने दबदबा रखा और महिला वर्गम में हमने जीत छीन के ली। शतरंज बोर्ड पर हमारे खिलाड़ी शार्प शूटर साबित हुए। विश्वनाथन आनंद ने जो बीज बोया था वो अब पेड बन गया है।

टी-20 विश्वकप में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे : दीप्ति

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हम बिना किसी दबाव के टी-20 विश्वकप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। दीप्ति ने कहा, किसी भी खिलाड़ी के लिए विश्वकप एक बड़ा टूर्नामेंट है और निश्चित रूप से दबाव होगा, लेकिन व्यक्तिगत रूप से पुरुष टीम की विश्व कप जीत से मैं बहुत प्रेरित हूं। हमने पिछले कुछ सीरीज और टूर्नामेंट में अच्छा किया है और हम यहां भी अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे। मैं इसे दबाव नहीं कहूंगी। उन्होंने कहा, 2017 के विश्वकप में हम जिस तरह से खेले, अचानक से बहुत कुछ बदल गया। व्यक्तिगत रूप से मुझे पहचाना जाने लगा। ऐसे किसी मॉल में जाना या पैदल टहलना मुश्किल हो गया। अगर हम विश्वकप जीतते तो चीजें और भी बदलती। तब हर लड़की क्रिकेट खेलना चाहती। हालांकि इस बार हम सर्वश्रेष्ठ की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विश्वकप आपको बहुत आत्मविश्वास देता है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। जब हम बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेल रहे थे तब हमारे पास कई क्रिकेट खेलने वाली लड़कियां ऑटोग्राफ और सेल्फी के लिए आईं। तब हमने उनसे कहा, उम्मीद नहीं खोएं और परिणाम की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ दें। उन्होंने कहा,एक टीम के रूप में हम बहुत सकारात्मक हैं, हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। हमारे लिए हर एक मैच महत्वपूर्ण है।

कानपुर में परिस्थितियां और पिंच देखकर उतरेंगे अभिषेक

कानपुर, 26 सितंबर। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने बुधवार को कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी फिट और खेलने को लेकर उत्साहित हैं मगर कानपुर टेस्ट में परिस्थितियों और पिच को देखकर भारत अपनी रणनीति तैयार करेगा। मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में अभिषेक ने कहा "ईमानदारी से कहूं तो मुझे अभी तक नहीं पता कि हम किस सतह पर खेलने जा रहे हैं लेकिन यहां तैयार दोनों पिचें काफी अच्छी दिख रही हैं। कानपुर को अक्सर अच्छी पिचों के लिए जाना जाता है। मैं अभी उछाल के बारे में निश्चित नहीं हूं। परिस्थितियों और पूर्वानुमान के साथ यह दिलचस्प होने वाला है कि जब हम सुबह जाने के लिए निकलते हैं तो स्थितियां कैसी होती हैं। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा क्योंकि जैसा कि आप जानते हैं कि टेस्ट विकेट में पिच कैसे खेलती है, इसमें परिस्थितियां एक बड़ा कारक हो सकती हैं।

कामेंदु मेंडिस ने टेस्ट क्रिकेट में रचा सबसे बड़ा कीर्तिमान, 132 साल में पहली बार हुआ कारनामा

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। टेस्ट क्रिकेट को खेले जाते अब तक करीब 132 साल हो गए हैं। लेकिन आज जो काम श्रीलंका के बल्लेबाज कामेंदु मेंडिस ने किया, वो इससे पहले कभी भी किसी भी बल्लेबाज ने नहीं किया। कामेंदु मेंडिस का रिकॉर्ड क्रिकेट की दुनिया में अनोखा और अकेला है। वे अब दुनिया के ऐसे पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट डेब्यू के बाद लगातार आठ मैचों में आठ अर्धशतक जड़ने का काम किया है। अब तक वे पाकिस्तान के सऊद शकील की बराबरी पर थे, लेकिन अब उनका कोई तोड़ ही नहीं है।

न्यूजीलैंड की क्रिकेट टीम इस वक्त श्रीलंका के दौरे पर है, जहां टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। पहला मैच श्रीलंकाई टीम ने अपने नाम कर लिया था। अब आज से गॉल में सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इसमें श्रीलंका की टीम पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी। उनके सलामी बल्लेबाज पथुम निसंका केवल एक ही रन

बनाकर आउट हो गए। हालांकि इसके बाद टीम संभल गई और जल्दी विकेट नहीं गिरा। बात यहां पर कामेंदु मेंडिस की करें तो वे नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए। उन्होंने दिन का खेल खत्म होने से पहले ही 51 रन ठोक दिए। जैसे ही उन्होंने अपने 50 रन पूरे किए नया कीर्तिमान रचने का काम किया, जो आज तक दुनिया का कोई भी बल्लेबाज नहीं कर पाया है।

कामेंदु मेंडिस ने टेस्ट क्रिकेट में अपने पहले आठ मैचों में हर मुकाबले में कम से कम 50 रन जरूर बनाए हैं। एक बार फिर 50 प्लस रन की पारी खेलकर कामेंदु ने ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास की किताबों में अपना नाम दर्ज करा लिया है। पिछले ही साल पाकिस्तान के सऊद शकील टेस्ट इतिहास में अपने पहले सात मैचों में से प्रत्येक में 50 प्लस रन बनाए थे और वे ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने थे, लेकिन अब वो बात पुरानी हो गई है।

कामेंदु ने अपना डेब्यू टेस्ट जुलाई 2022 में खेला था। उसी मैच की पहली पारी में उन्होंने 61 रन बनाए थे। इसके बाद साल 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ अपने दूसरे मैच में उन्होंने 102 और 164 रनों की पारी खेली। मार्च 2024 में जब वे अपने तीसरे मैच के लिए मैदान में उतरे तो उन्होंने नाबाद 92 रन बनाए। तीन मैचों में लगातार रिकॉर्ड तोड़ पारियां खेलने के बाद भी वे रुके नहीं। अपने चौथे मैच में उन्होंने 113 रन बनाए। इसके बाद भी अपने रथ पर सवार रहे। अब कामेंदु के नाम रिकॉर्ड तो बन ही गया है, लेकिन देखना ये होगा कि कितने मैचों तक से सिलसिला जारी रखते हैं।

क्या ऋषभ पंत बनेंगे 2025 में नए कप्तान

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। बीसीसीआई की ओर से जल्द ही आईपीएल 2025 के लिए रिटेंशन पॉलिसी जारी की जा सकती है। इस वक्त भले ही भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही हो, लेकिन फैंस की नजर इस रिटेंशन पॉलिसी पर है, क्योंकि इसी के बाद तय होगा कि टीमें अपने कितने खिलाड़ी रिटेन कर सकती हैं।

इस बीच कुछ खिलाड़ियों के रिटेंशन को लेकर भी तरह तरह की बातें हो रही हैं। इतना ही नहीं सोशल मीडिया पर फेक न्यूज भी खूब दिख रही हैं। इसी तरह की एक खबर ऋषभ पंत को लेकर भी आई, जिसका करारा जवाब इस बल्लेबाज की ओर से दिया गया है।

आईपीएल 2025 के रिटेंशन से पहले सोशल मीडिया पर सूत्रों के हवाले से कई सारी खबरें फैलाई जा रही हैं। जो विशुद्ध रूप से फर्जी हैं। इनका कोई सिर पैर नहीं होता है। ऐसी ही एक खबर सामने आई कि ऋषभ पंत अगले आईपीएल सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु यानी आरसीबी से खेलने के लिए संपर्क कर रहे हैं। हालांकि कुछ ही देर बाद ऋषभ पंत ने इसे फर्जी खबर करार दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने फैंस से सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने से दूर रहने की भी बात कही है। एक फैंस ने ट्विटर पर एक अपडेट पोस्ट किया कि पंत ने कप्तान बनने के लिए आरसीबी से संपर्क किया था, लेकिन आरसीबी मैनेजमेंट ने उनके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया।

भारत-बांग्लादेश टेस्ट पर इंद्रदेव की नजर

कानपुर, 26 सितंबर। भारत और बांग्लादेश के बीच शुक्रवार से यहां शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट मैच पर बारिश के व्यवधान डालने के आसार हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार कानपुर और आसपास के क्षेत्र में कम से कम अगले तीन दिनो तक हल्की से मध्यम वर्षा के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इस अवधि में आसमान बादलों से ढका रहने और उमस में इजाफा होने का अनुमान है। हालांकि 31 और एक अक्टूबर चटक धूप निकलने और तापमान में तेजी से इजाफा होने की संभावना है। मैच की पूर्व संध्या पर भी ग्रीनपार्क के आसमान में बादलों का जमावड़ा लगा रहा और इस दौरान हल्की बारिश भी हुयी हालांकि तब तक टीम इंडिया अपना अभ्यास सत्र पूरा कर चुकी थी। बारिश के कारण बांग्लादेश की नेट प्रैक्टिस पर असर पड़ा। इस दौरान पूरे मैदान को कवर कर दिया गया था।

भारतीय टीम ने किया ऑस्ट्रेलिया का सूपड़ा साफ, टूटा 30 साल पुराना रिकॉर्ड

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय अंडर 19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की यूथ वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में भी अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए उसे 7 रनों से अपने नाम किया। पुडुचेरी के मैदान पर खेले गए सीरीज के इस आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर्स में 8 विकेट के नुकसान पर 324 रन बनाए थे, तो वहीं इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से भी बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला लेकिन वह 50 ओवर्स में 7 विकेट के नुकसान पर 317 रनों के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सके और उन्हें सीरीज के इस आखिरी मुकाबले में भी हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में 30 साल पुराना एक बड़ा रिकॉर्ड भी ध्वस्त हो गया।

ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के कप्तान ने यूथ वनडे सीरीज के इस आखिरी मुकाबले

में टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था, जिसके बाद भारतीय टीम की तरफ से बल्लेबाजी में ओपनिंग में उतरे साहिल पारख और रुद्र पटेल के बीच पहले विकेट के लिए 34 रनों की साझेदारी देखने को मिली। साहिल के 20 के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटने के बाद रुद्र को हरवंश का साथ मिला और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी देखने को मिली। हरवंश जहां 46 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं रुद्र के बल्ले से 77 रन देखने को मिले।

एशियाई खेलों में मेरा पदार्पण सपने जैसा : गुरजोत सिंह

बेंगलुरु, 26 सितंबर । युवा फॉरवर्ड गुरजोत सिंह ने कहा कि हाल ही में चीन के मोकी में हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में उनका भारतीय पुरुष हॉकी टीम में पदार्पण सपने के पूरा होने जैसा है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में ट्रायल के दौरान गुरजोत का प्रदर्शन आकर्षक रहा। उन्होंने हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 के सभी सात मैच खेले, हालांकि वह गोल नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने खुद को बेहतर साबित करने के लिए मैदान पर समर्पण और कड़ी मेहनत दिखाई। गुरजोत ने कहा, सीनियर टीम का माहौल बहुत अच्छा है सभी सीनियर बड़े भाइयों की तरह हैं जो अधिकतर समय माहौल को हल्का रखते हैं। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में यह मेरे लिए एक स्वप्निल पदार्पण था। मैं चीन के खिलाफ खेलने के लिए उत्साहित था मुझे लगा कि मैं अपने पदार्पण पर एक गोल करूंगा लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका। मैंने खेल में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। खेल से पहले हरमनप्रीत सिंह ने मुझे आश्वस्त किया कि ज्यादा सोचने या डरने की जरूरत नहीं है। मुझे बस वैसे ही खेलना है जैसे मैं आमतौर पर शिविर में खेलता हूँ, आजादी से खेलना है और गलतियाँ करने के बारे में नहीं सोचना है। उन्होंने मुस्कान के यादों के झरोखे में जाते हुए कहा, दुर्घटना के बाद, मुझे कुछ सालों तक थोड़ी कमज़ोरी रही, लेकिन जब मैं 10 साल का हुआ।

रिकी पोंटिंग के आते ही पंजाब किंग्स टीम में हुआ बदलाव

रिटेंशन पॉलिसी से पहले इन 2 दिग्गजों की हुई छुट्टी

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल के अगले साल होने वाले सीजन को लेकर पंजाब किंग्स टीम अपने कोचिंग स्टाफ में लगातार कई बड़े बदलाव कर रही है। एक तरफ सभी फ्रेंचाइजियों की नजरें बीसीसीआई की तरफ से मेगा प्लेयर ऑक्शन को लेकर जारी होने वाली रिटेंशन पॉलिसी को लेकर टिकी हुईं हैं तो वहीं पंजाब किंग्स ने कुछ दिन पहले ही अगले सीजन के लिए अपनी टीम के नए हेड कोच के तौर पर रिकी पोंटिंग को जिम्मेदारी सौंप दी थी। उनके आने के बाद से ये तय हो गया था कि कोचिंग स्टाफ में अभी कई और बड़े बदलाव भी देखने को मिलेंगे, जिसमें अब ट्रेवर बेलिस और संजय बांगर दोनों की छुट्टी कर दी गई है।

रिकी पोंटिंग जो आईपीएल 2024 में दिल्ली कैपिटल्स टीम के लिए हेड कोच की जिम्मेदारी को निभा रहे थे तो वहीं अब उन्होंने पंजाब किंग्स की जिम्मेदारी को संभाल लिया है। ईसएपीएन क्रिकइंफो की खबर के अनुसार बेलिस और संजय बांगर को उनके पद से हटाने का फैसला फ्रेंचाइजी के चार सह-मालिकों के बीच हुई मीटिंग के बाद लिया गया। बेलिस ने साल 2023 में पंजाब किंग्स के हेड कोच के तौर पर जिम्मेदारी संभाली थी जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान टीम ने 2 आईपीएल सीजन में बेहद शर्मनाक प्रदर्शन किया था। इस दौरान पंजाब किंग्स जहां आईपीएल 2023 में 8वें नंबर पर रही थी को वहीं पिछले आईपीएल सीजन में टीम 9वें नंबर पर थी। वहीं संजय बांगर को पंजाब किंग्स की टीम ने अपना क्रिकेट डेवलपमेंट का हेड बनाया था उन्हें भी उनकी जिम्मेदारियों से अब पंजाब किंग्स ने मुक्त कर दिया है।

आईपीएल 2025 के मेगा प्लेयर ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स कौन-कौन से प्लेयर्स को रिटेन करती है इस पर भी सभी की नजरें रहने वाली हैं, तो वहीं उन्हें अगले सीजन के लिए नए कप्तान को भी चुनना होगा। ऐसे में पंजाब किंग्स के लिए ये ऑक्शन काफी अहम रहने वाला है क्योंकि टीम आखिरी बार साल 2014 के आईपीएल सीजन में प्लेऑफ तक पहुंचने में कामयाब हो सकी थी लेकिन उसके बाद से अब तक वह लीग मुकाबलों के बाद टॉप-4 में खत्म करने में कामयाब नहीं हो सके हैं।

नहीं दिखेगा ग्रीनपार्क का ऐतिहासिक स्कोर बोर्ड

कानपुर, 26 सितम्बर । अपनी हरियाली और बेहतरीन खूबियों वाले मैनुअल स्कोरबोर्ड के कारण दुनिया में दशकों तक अलग पहचान रखने वाले ग्रीनपार्क मैदान में 27 सितंबर से शुरु होने वाले मैच में ऐतिहासिक स्कोरबोर्ड के अवशेष के भी दर्शन नहीं होंगे। वर्ष 1952 में तैयार और 1957 में यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ हुये टेस्ट मैच में पहली बार इस्तेमाल होने वाला अनूठा स्कोरबोर्ड रखरखाव के अभाव के कारण कबाड़ में तब्दील हो चुका है।

हालांकि स्कोरबोर्ड का कुछ हिस्सा अब भी मैदान के प्राचीन स्वरुप को दिखाने और दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को आकर्षित करने के लिये काफी है मगर कल शुरु होने वाले मैच में इस स्कोरबोर्ड को एक पान मसाला कंपनी के विज्ञापन बोर्ड से ढक दिया गया है। यहां दिलचस्प है कि ग्रीनपार्क स्टेडियम की विजिटर गैलरी में मैदान के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाया गया है मगर मैदान की शान रहे स्कोरबोर्ड को तवज्जो नहीं दी गयी है।

आईपीएल 2025 के लिए बीसीसीआई का नया नियम, तो मुंबई इंडियंस को मिलेगी राहत

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। इसी साल दिसंबर के महीने में आईपीएल ऑक्शन 2025 का आयोजन किया जाएगा। लेकिन उससे पहले ही बीसीसीआई एक बड़े नियम में बदलाव कर सकता है। दरअसल, अब तक हर टीम को ऑक्शन से पहले 3 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति थी लेकिन अब ये संख्या तीन से पांच हो सकती है। इस नियम के लागू होने का मतलब है कि मुंबई इंडियंस का बड़ा सिरदर्द खत्म हो जाएगा।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई हेडक्वार्टर में हाल ही में अहम बैठक हुई थी जिसमें 10 टीमों के मालिक मौजूद थे। ज्यादातर टीम मालिक 5 से 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति चाहते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी मालिकों के कहने के बाद बीसीसीआई इसके लिए तैयार हो गया है। बोर्ड को लगता है कि ऐसा करने से टीमों की ब्रांड वैल्यू बनी रहेगी। 2022 मेगा ऑक्शन के दौरान हर टीम को

चार खिलाड़ियों को रिटेन की अनुमति थी। इन चार खिलाड़ियों में तीन से ज्यादा भारतीय, और दो से ज्यादा विदेशी नहीं हो सकते थे। बीसीसीआई पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने के बारे में तो मान गया है लेकिन ये तय नहीं है कि इसमें कितने भारतीय और कितने विदेशी खिलाड़ी होंगे। अगर पांच खिलाड़ियों को रिटेन करने का नियम आता है तो मुंबई इंडियंस की परेशानी दूर हो सकती है। बीते कई सालों से टीम के मुख्य खिलाड़ी टीम में बने हुए हैं। बीते साल हार्दिक पंड्या को टीम ने बतौर कप्तान टीम में शामिल किया है।

3000 हजार स्कूली बच्चों को नाश्ता-पानी के साथ मैच दिखायेगा यूपीसीए

कानपुर, 26 सितंबर। करीब तीन साल बाद टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा ग्रीनपार्क प्रशासन शुक्रवार से शुरु हो रहे भारत बांग्लादेश मैच के दौरान हर दिन तीन हजार स्कूली छात्र छात्राओं को नाश्ते पानी के साथ फ्री में मैच दिखायेगा। ग्रीनपार्क के वेन्यू डायरेक्टर संजय कपूर ने शुक्रवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में यह ऐलान किया। उन्होने कहा हमने तय किया है कि क्रिकेट में दिलचस्पी रखने वाले नौनिहालों को हम पूरे पांच दिन मुफ्त में मैच दिखायेंगे। इसके लिये तीन हजार सीटें रिजर्व रखी जा रहीं हैं। इतना ही नहीं, हम उनके खानपान का भी प्रबंध करेंगे। इसके पीछे हमारा मकसद खेल के प्रति स्कूली छात्र छात्राओं में उत्साह का संचार करना है। उन्होने बताया कि ग्रीनपार्क में पिछले एक महीने में जीर्णोद्धार का काम पूरी तेजी से किया गया।

रोशनी टांक राजस्थान फुटबॉल संघ की महिला विंग की नई चेयरपर्सन बनी

राजस्थान फुटबॉल संघ के 2024-28 के कार्यकाल की प्रथम एग्जीक्यूटिव मीटिंग आयोजित

जयपुर, 26 सितंबर। दिनांक 26-9-2024। राजस्थान फुटबाल संघ के 2024-28 के कार्यकाल की प्रथम एग्जीक्यूटिव मीटिंग आज मिर्जा स्माइल रोड स्थित गोल्डन टयूलिप होटल में आयोजित हुई। मीटिंग की अध्यक्षता राजस्थान फुटबाल संघ के अध्यक्ष कर्नल मानवेंद्र सिंह जसोल ने की। जसोल ने रोशनी टांक को राजस्थान फ़ुटबॉल संघ की महिला विंग की नई चेयरपर्सन बनाए जाने की घोषणा की।

मीटिंग में राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत और कोषाध्यक्ष कैलाश चंद खटीक, उपाध्यक्ष - महेंद्र सिंह बिजारणिया, मांगीलाल काबरा, शकील अहमद, निर्मल मातोड़िया और अरविंद पाल सिंह के साथ जॉइंट सेक्रेटरी रफीक अहमद सिंधी, कृष्ण अवतार शर्मा, सुनील राव, दिनेश सिंह चौहान और मानवेंद्र सिंह राघव और सदस्य के तौर पर मांगीलाल सोलंकी और गुरमीत मान ने भाग लिया।

मीटिंग में आगामी वर्ष में की जाने वाली विभिन्न खेल गतिविधियों और प्रतियोगिताओं के बारे में राजस्थान फुटबाल संघ के टेक्निकल डायरेक्टर सतीश जांगिड़ ने बताया जिस पर सभी सदस्यों ने विस्तार से विचार विमर्श किया। इस मीटिंग के प्रमुख बिंदु में अगले महीने होने जा रही सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी राजस्थान फुटबाल संघ के द्वारा की जाना है। यह प्रतियोगिता राजस्थान फुटबाल संघ पहली बार आयोजित करने जा रहा है जिसमें पूरे देश से 8 टीमें 6 अक्टूबर से 17 अक्टूबर के मध्य जयपुर के नव निर्मित टर्फ फुटबॉल ग्राउंड पर मुकाबला खेलेगी।

राहुल टेस्ट में बार-बार फ्लॉप, लेकिन कोच ने बांधे तारीफों के पुल

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त कानपुर में है, जहां भारत और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जाएगा। दूसरा मैच 27 सितंबर से शुरू होगा। इस बीच मैच से एक दिन पहले भारतीय टीम के सहायक कोच अभिषेक नायर मीडिया से रूबरू हुए और केएल राहुल की जमकर तारीफें करते हुए नजर आए। ये हाल तब है, जब केएल राहुल पिछली कई पारियों से लगातार फ्लॉप चल रहे हैं, उनके बल्ले से रन नहीं बन रहे हैं, बावजूद इसके वे लगातार प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाते चले जा रहे हैं। वहीं बाकी बल्लेबाज जो उनसे बेहतर खेल दिखा रहे हैं, उन्हें बाहर बैठना पड़ रहा है।

कानपुर टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन क्या होगी, जब इसके बार में

अभिषेक नायर से बात की गई तो उन्होंने साफ कह दिया कि मैच की सुबह पिच को देखकर टीम का सेलेक्शन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ ने इस मैच के लिए दो पिचें तैयार की हैं। लेकिन मैच किस पिच पर होगा, ये अभी तय नहीं है। नायर ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि किस पिच पर मैच खेला जाएगा। दोनों पिच अच्छी दिख रही है। कानपुर को अच्छी पिच तैयार करने के लिए जाना जाता है। उनका कहना है कि अभी नहीं पता कि इससे उछाल मिलेगी या नहीं। इसके बाद जब अभिषेक नायर से केएल राहुल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि राहुल अपने खेल को अच्छी तरह से समझते हैं। दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने खास पारियां खेली थी। उन्होंने विश्वास जताया कि वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनका कहना है कि टीम के हेड कोच और वे खुद जिस तरह का संयोजन चाहते हैं, उम्मीद है कि हम उसमें राहुल से भी अच्छा प्रदर्शन करवाने में सफल रहेंगे।

बड़ी बात ये है कि जब बीसीसीआई की ओर से टीम का ऐलान इसी सीरीज के लिए किया गया था, तब कप्तान के तौर पर तो रोहित शर्मा का नाम लिखा गया था, लेकिन उपकप्तान का कॉलम खाली था। जब इस बारे में अभिषेक नायर से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि इसकी जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि इस टीम में कई कप्तान हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने समालखा, सोनीपत व करनाल में चुनावी सभाएं कीं

उन्होंने राहुल गांधी से पूछा, ''देश के विरोधी लोगों के साथ अपना रिश्ता बताएं''

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान समालखा, सोनीपत व करनाल में चुनावी सभाएं की।

- **मु.मंत्री ने कहा, पड़ोसी राज्य होने के कारण राजस्थान और हरियाणा में बहुत गहरा रिश्ता है। खाटू श्याम जी 100 करोड़ के कॉरिडोर से दर्शनार्थियों के लिये सुविधाएं बढ़ेगी।**
- **उन्होंने कहा, देश में कांग्रेस से बड़ी झूठी, भ्रष्ट और बेईमान कोई पार्टी नहीं है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है।**

हरियाणा, 26 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल ने गुरुवार को हरियाणा के ''समालखा'' विधानसभा प्रत्याशी मनमोहन भडाना के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी दुनिया में देश को शर्मसार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। वे उन लोगों के साथ खड़े होते हैं, जो देश- विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। राहुल गांधी यह बताएं कि उनका देश विरोधियों से क्या रिश्ता है? कांग्रेस का असली चरित्र यही है। इनका राष्ट्रहित से कोई सरोकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की जमीन वह तपोभूमि है, जिसने सनातन धर्म और संस्कृति को लगातार मजबूत करने का काम किया है। पड़ोसी राज्य होने के कारण, राजस्थान और हरियाणा में बहुत गहरा रिश्ता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार 100 करोड़ रुपये की लागत से खाटू श्याम में कॉरिडोर विकसित करेगी, जिससे दर्शनार्थियों के लिए सुविधाएं विकसित होंगी।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा में पिछले 10 वर्षों में पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं आयोजित हो रही हैं। सैनी किसानों व मजदूरों के दर्द को समझते हैं। हरियाणा में जब एम.एस.पी. पर बाजरा खरीदा जा रहा था, तब राजस्थान के किसान राज्य में भी एम.एस.पी. खरीद के लिए आंदोलन कर रहे थे। यही कारण रहा कि राजस्थान में किसानों को बाजरे के 1200 रुपये मिले और हरियाणा में 2200 रुपये। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का उत्साह यह बता रहा है कि जनता ने हरियाणा में भाजपा को जिताकर हैट्रिक लगाने का फैसला कर लिया है। शर्मा ने कहा कि देश में कांग्रेस से बड़ी झूठी, भ्रष्ट और बेईमान कोई पार्टी नहीं है। कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है।

शर्मा ने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोग बड़े उत्साह तथा उमंग के साथ अपना समर्थन देने आए हैं, जो यह दर्शाता है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की।

शर्मा ने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने आमजन से गहलावत को अधिकाधिक मतों से विजयी बनाने की अपील की। इस दौरान हरियाणा भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बिलकीस बानो केस में गुजरात सरकार की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 26 सितंबर। बिलकिस बानो मामले में गुजरात सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात सरकार की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी और बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई से जुड़े अपने आदेश में की गई टिप्पणियों को हटाने से इंकार कर दिया है।

गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की थी। इस याचिका में कहा गया था कि बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई के समय कोर्ट ने गुजरात सरकार को लेकर जो टिप्पणियां की थीं, उन्हें हटाया जाना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी है।

गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो बलात्कार मामले में 11 दोषियों की समय पूर्व रिहाई को खारिज करने के फैसले में गुजरात सरकार के खिलाफ कुछ टिप्पणियों को अनुचित बताते हुए उसे हटाने का अनुरोध किया था।

'अपने स्वार्थ के लिये गहलोत ने सरकार व शासन कर दुरुपयोग किया'

क्लीन चिट के बाद जोधपुर में गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गहलोत पर तीखे हमले किये

- **उन्होंने कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री ने मेरी दिवंगत मां के लिये जिन शब्दों का प्रयोग किया, उसके बाद मैंने दिल्ली में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया था।''**
- **''अपने प्रतिद्वंदी को फंसाने की उनकी परिपाटी रही है। राजेन्द्र चौधरी, मदेरणा परिवार व रामसिंह जी का परिवार इसका उदाहरण हैं।''**

जोधपुर, 26 सितम्बर (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने संजीवनी प्रकरण में हाईकोर्ट से क्लीन चिट मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखा हमला बोला। जोधपुर पहुंचे शेखावत ने कहा कि अपने प्रतिद्वंद्वी को इसी तरह से फंसाने की उनकी पुरानी परिपाटी रही है। उनकी राजनीति एक बार फिर उजागर हुई है। शेखावत ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार और शासन व्यवस्था का दुरुपयोग किया।

गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री शेखावत जोधपुर में पत्रकारों से रू-ब-रू हुए। उन्होंने नाम लिए बगैर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तीखे हमले करे और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने मुझे और मेरे परिवार को बदनाम करने के तमाम प्रयास किए। मेरी दिवंगत माता के लिए किस तरह के शब्दों का उपयोग किया, मैं वापस उन्हें दोहराना नहीं चाहता। मैंने उसके बाद दिल्ली में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री पर हमलावर होते हुए शेखावत ने कहा, केवल पुत्र मोह नहीं था, कुर्सी पर बने रहने और अपनी सिमटी राजनीतिक जाजम को बचाने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी को इसी तरह से फंसाने की उनकी पुरानी परिपाटी रही है। ऐसे अनेक उदाहरण आप उनके दल में और दल के बाहर देख सकते हैं। राजेंद्रसिंह चौधरी, मदेरणा परिवार और रामसिंहजी के परिवार के साथ में किस तरह की घटनाएं हुईं। ऐसी अनेक घटनाएं सूत्र में पिरोकर देख लीजिए, सत्य उद्घटित हो जाएगा।

फोन टैपिंग प्रकरण के सवाल पर शेखावत ने कहा कि कल फोन टैपिंग प्रकरण में पूर्व मुख्यमंत्री के पूर्व ओ.एस.डी. से छह घंटे की पूछताछ में सारा विवरण खुलकर सामने आया है। किस तरह तत्कालीन मुख्यमंत्री अपने विधायकों, अपने मंत्रियों और विपक्षी नेताओं के फोन टैप करवाते थे। किस तरह से उन्होंने फोन टैप कर ऑडियो पैन ड्राइव में डालकर लोकेश शर्मा को दिया था। लोकेश शर्मा ने उनके निर्देश पर टैप को वायरल किया।

संजीवनी के निवेशकों को उनका पैसा वापस मिलने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि निश्चित रूप से उसकी प्रक्रिया चालू है। शेखावत ने कहा कि मैं पूरे प्राण प्रण की ऊर्जा से निवेशकों का डूबा हुआ पैसा उनको मिल सके, इसलिए उनके साथ में खड़े रहकर काम करने के लिए पहले भी संकल्पबद्ध था और अभी भी हूं।

चीन की आक्रामक विदेशी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस हेट क्राइम ने, जापानी लोगों और उनके देश के विरुद्ध अधिकारिक मीडिया तथा पब्लिक पॉलिसी फोरम द्वारा लगातार चलाये जा रहे हेट कैम्पेन को लेकर देश के लोगों की आँखें खोल दी हैं। चीन पूरे विश्व पर अपने प्रभुत्व का प्रचार करके एक तरह के उग्र राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहा है।

हेट कैम्पेन और विदेशी लोगों के प्रति नफरत को देश के सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग ने बढ़ावा दिया था, ताकि बाहरी दुनिया के साथ अपने व्यवहार में देश का एक कट्टर राष्ट्रवादी चेहरा सामने लाया जा सके। शी व्यक्तिगत रुप से, चीन की श्रेष्ठता के अपने दावों को न्यायसंगत ठहराने के लिए इस तरह के कट्टरपंथी राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। वे पड़ोसी क्षेत्रों में चीन के स्वामित्व के दावे भी करते रहे हैं।

अमेरिका- विरोधी नारे भी कट्टरपंथी राष्ट्रवाद अभियान का हिस्सा रहे हैं, जिसमें अमेरिकियों को, युद्ध के लिए उकसाने वाले और वैश्विक क्षेत्र में चीन के उदय के खिलाफ साजिश रचने वालों के रुप में दिखाया गया है। यहाँ तक कि प्राइमरी स्कूलों को भी कट्टर राष्ट्रवाद अभियान से अछूता नहीं रखा गया है।

शी और उनके सहयोगियों ने युवाओं के मन में अपने देश को लेकर गर्व तथा बाकी विश्व के लिए हीनता की भावना को बैठाने का काम किया है।

कूटनीति के माध्यम से चीन अपनी आक्रामक विदेश -नीति को आगे बढ़ा रहा है। इसके राजनयिकों ने, जो ''वुल्फ डिप्लोमैट्स'' के नाम से जाने जाते हैं, कूटनीतिक मानदंडों से हटकर, सामान्य कूटनीतिक चर्चाओं में आलोचना करने में एक चरम रवैया अपनाया है।

चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और उसकी शाखाएं जापानियों पर विशेष रुप से कठोर रहे हैं, दूसरे विश्व युद्ध के दौरान देश के बड़े हिस्से पर जापान के कब्जे को याद करके।

बेशक, युद्ध के दिनों में जापानियों ने बहुत अधिक क्रूर व्यवहार किया था और पार्टी के नेता जापान विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए इन पर जोर देते रहे हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि शी ने अपने पड़ोसियों तथा कथित दुश्मनों, जिनमें उनके धुर विरोधी अमेरिका व जापान शामिल हैं, के साथ व्यवहार में बहुत आक्रामक रुख रखा है। वे यह साबित करना चाहते हैं कि चीन मानव सभ्यता के उच्चतम स्वरुप का प्रतिनिधित्व करता है, और इसकी उपलब्धियाँ बेमिसाल हैं।

वे निकट व दूर के देशों में साम्राज्यवादी आधिपत्य स्थापित करना चाहते हैं।

वर्षों तक ऐसी भावनाएं भड़काने के परिणामस्वरुप, देश में उग्र चीनी युवाओं के समूह नज़र आते हैं, जो किसी भी कीमत पर अपना प्रभाव व शक्ति साबित करना चाहते हैं। अब यह अभियान पलटवार कर रहा है चीन की मानसिक स्थिति पर।

हिमाचल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरूद्ध हैं। ग्रामीण विकास मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने अभी हाल ही में हिमाचल में ''रोहिंग्याओं तथा बाँग्लादेशियों के प्रवेश को रोकने'' की बात कही थी। राज्य कांग्रेस के अन्य ग्रुपों का दृष्टिकोण इस से पूरी तरह भिन्न है। यह स्थिति राज्य कांग्रेस के अन्दर गंभीर अंदरुनी लड़ाई का रूप ले सकती है।

पूर्व मंत्री महेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शादी के लिए दबाव डाला था। उसने रोहित पर उसकी पत्नी को तलाक देने व उसके साथ शादी करने के लिए कहा था। जवाब में शिकायतकर्ता की ओर से एडवोकेट शिवमंगल शर्मा ने कहा कि मामले में दुष्कर्म सहित अन्य गंभीर आरोप हैं।

ऐसे में एफआईआर व चार्जशीट को रद्द करने वाली याचिका सुनवाई किए जाने योग्य नहीं है। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि शिकायतकर्ता को सुने बिना कोई भी आदेश जारी नहीं किया जाए। गौरतलब है कि इस मामले में रोहित जोशी के खिलाफ शिकायतकर्ता पीड़िता ने दिल्ली के सदर बाजार पुलिस थाने में 9 मई, 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। याचिका में रोहित जोशी पर दुष्कर्म, गर्भपात कराना और अप्राकृतिक कृत्य सहित अन्य आरोप लगाए गये थे।

100 करोड़ रूपए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के दावे में संजय राउत को दोषी करार दिया है।

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने आरोप लगाया था कि सोमैया दंपत्ति शौचालय निर्माण के लिए धन का दुरुपयोग करके 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल हैं। इसके बाद मेधा किरीट सोमैया ने संजय राउत के खिलाफ शिकायत की थी और100 करोड़ रुपये की मानहानि का केस दर्ज कराया था। मानहानि के इस मामले में संजय राउत दोषी करार दिए गए है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। जस्टिस गणेश राम मीना ने यह आदेश आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर दिया।

अदालत ने फैसले में कहा कि डॉ. संदीप गुप्ता ने अस्पताल प्रशासन को एन.ओ.सी. पेश करने के बाद ही ऑपरेशन किए थे, ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता कि दोनों डॉक्टर्स फर्जी एन.ओ.सी. लेने की कार्रवाई में शामिल रहे हैं या उन्हें फर्जी एन.ओ.सी. की जानकारी थी। इसके अलावा टोहो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार भी, एन.ओ.सी. तैयार करने में भी उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। वहीं, अदालत ने बचाव पक्ष की इस दलील को भी माना कि टोहो एक्ट की धारा 22 के तहत केस में पुलिस की चार्ज शीट के आधार पर कोर्ट प्रसंज्ञान ही नहीं ले सकता। अदालत ने आरोपी बांग्लादेशी नागरिक नुरूल इस्लाम सहित अन्य की जमानत याचिकाएं यह कहते हुए खारिज कर दीं कि उनके खिलाफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट करवाने के लिए फर्जी एन.ओ.सी. लेने का अपराध प्रथम दृष्टया साबित है और यह गंभीर अपराध है। दरअसल कंपाउंडर भानू लववंशी ने अधिवक्ता दीपक चौहान, डॉ. संदीप गुप्ता ने अधिवक्ता हेमंत नाहटा व डॉ. जितेन्द्र गोस्वामी ने अधिवक्ता रिपुदमन सिंह के जरिए जमानत याचिकाएं दायर कर अदालत से जमानत दिए जाने का आग्रह किया था।

डॉ. संदीप गुप्ता की ओर से कहा गया कि पूरे मामले में राज्य सरकार के अफसरों ने अनुसंधान अधिकारी के साथ मिलकर कानूनी तौर पर धोखा किया है। मामले में कोई पीड़ित व्यक्ति ही नहीं है और ना ही कोई मानव तस्करी का शिकार व्यक्ति पेश हुआ है। ऐसे में उनकी ओर से कोई अपराध ही नहीं किया है, जबकि नुरूल इस्लाम व अन्य की ओर से कहा गया कि उन्होंने तय कानूनी प्रक्रिया के तहत ही आर्गन ट्रांसप्लांट करवाए थे। उन्हें यह नहीं पता था कि आर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. ली गई है।

यमुना एक्सप्रेस वे पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चालकों को 270 रुपये देना होता था।

अब बस चालकों को 935 रुपये टोल देना होगा। इससे पहले बसों के लिए टोल 895 रुपये निर्धारित था। वहीं, ओवर साइज़ वाहनों के लिए टोल अब 1760 से बढ़ाकर 1835 रुपये कर दिया गया है।

टोल बढ़ोतरी से उन यात्रियों को जेब हल्की करनी पड़ेगी, जो कार-बाइक या बस से रोजाना यमुना एक्सप्रेस वे पर सफर करते हैं। हालांकि यमुना प्राधिकरण का दावा है कि टोल वृद्धि वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जे.पी. इंफ्राटेक द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर आधारित है, जिसे अब 2024-25 में लागू किया जाएगा। प्राधिकरण ने दावा किया है कि इससे यात्रियों पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा। गुरुवार को हुई 82वीं बोर्ड बैठक में टोल बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

कर्नाटक ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खिलाफ सार्थक जाँच नहीं कर सकती है। विपक्ष की मांग है कि सिद्धारमैया को नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और केस रद्द हो जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति देने के लिए गवर्नर की आलोचना कर रहे हैं उनका कहना है कि राज्यपाल ने जानबूझकर इस मामले में मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है तथा इस कांड में फायदा उठाने वाले अन्य लोगों पर कुछ नहीं कहा है क्योंकि इसके कई वरिष्ठ भाजपा नेता व केन्द्रीय मंत्री एच.डी. कुमारास्वामी भी शामिल हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार तथा आई.टी. मंत्री प्रियांक खड़गे व अन्य वरिष्ठ मंत्रियों, विधायकों व दिल्ली के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री को पूर्ण समर्थन दिय है। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा केन्द्रीय संस्थाओं का दुरुपयोग करती है और विपक्षी नेताओं पर झूठे केस लगाती है खासकर तब जब चुनाव हो। इस समय जम्मू-कश्मीर तथा हरियाणा में विधानसभ चुनाव है।

प्र.मंत्री मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्नेहपूर्वक याद किया। उन्होंने सिंह को अत्यावश्यक कल्याणकारी नीतियों को आगे लाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''मनमोहन सिंह जी ने जनता को, चकित कर देने वाली कल्याणकारी नीतियाँ तथा मनरेगा एवं भोजन का अधिकार, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार जैसे अधिकार दिये। ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य एवं लंबी आयु प्रदान करे।''

सिंह की सराहना करने वाले नेताओं के समूह में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल भी शामिल थे। केजरीवाल ने कहा, ''पूर्व प्रधानंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जन्म दिन की बधाई। उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन के लिये मंगल कामनाएँ।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिंह को सम्मान सहित याद करते हुए उन्हें ''राजनीति के क्षेत्र में सादगी, गरिमा एवं विद्वत्ता (इंजीन्यूटी) का दुर्लभ एवं साकार रूप बताया। अपने भावभीने स्मरण में उन्होंने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के जन्म दिन के अवसर पर, मैं उन्हें हार्दिक बधाई देता हूँ। वे एक स्वप्नदृष्टा राजनेता रहे, जिनके कार्य उनके शब्दों से ज्यादा मुखर थे। हम देश के लिये उनके जबरदस्त एवं अमूल्य योगदान के लिये, उनके हृदय से कृतज्ञ हैं।''

असम के मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा ने भी सिंह को जन्म दिन की भावनापूर्ण बधाई और कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को उनके जन्म दिन पर हार्दिक बधाई। उनके लम्बे एवं स्वस्थ जीवन के लिए ईश्वर से प्रार्थना है।''

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, जो सिंह के प्रशंसक के रूप में प्रसिद्ध हैं, ने पूर्व प्रधानमंत्री को एक ''महान स्वप्नदृष्टा'' बताया, जिनके कार्य उनके शब्दों से कहीं ज्यादा मुखर थे। उन्होंने ''एक्स'' पर पोस्ट किया, ''महान स्वप्नदृष्टा एवं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के जन्म दिन की शुभकामनाएँ, जिन्होंने वैश्विक नेताओं को बात कम करना तथा ज्यादा काम करना सिखाया, ताकि वे भारत जैसे देश की तरह ग्रोथ के लक्ष्य हासिल कर सकें, उन्होंने कहा कि सिंह ने भारत की अत्यधिक गतिशील एवं स्थाई तरक्की की नींव रखी। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखे एवं लम्बा जीवन प्रदान करे।''

एन.सी.पी. (एस.पी.) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा, ''देश के पूर्व प्रधानमंत्री तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. मनमोहन सिंह को जन्म दिन की बधाई। ईश्वर आपको स्वस्थ रखे एवं सुदीर्घ जीवन प्रदान करें।''

कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सिंह की नेतृत्व-शैली पर अपने विचार व्यक्त करते हुये उनकी ''सादगी एवं विज़न'' की प्रशंसा की। उन्होंने लिखा, ''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को जन्म दिन की बधाई। जिस सादगी एवं विज़न के साथ आपने देश का नेतृत्व किया है तथा दृढ़ इच्छा शक्ति एवं सत्यनिष्ठा का परिचय दिया है, वह सचमुच ही उल्लेखनीय है तथा सभी पार्टियों के नेताओं को प्रेरित करने वाला है।''

एन.सी.पी. (एस.पी.) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया पर सिंह की आर्थिक बुद्धिमता की प्रशंसा करते हुए कहा, ''भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं महान अर्थशास्त्री, माननीय डॉ. मनमोहन सिंह सर को जन्म दिन की बहुत-बहुत बधाई। ईश्वर आपको लम्बा एवं स्वस्थ जीवन प्रदान करे।''

कांग्रेस ने के.सी. वेणुगोपाल ने सिंह के कार्यकाल को भारत की अपूर्व ग्रोथ को दौर बताया। उन्होंने कहा, ''मैं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी को, उनके जन्म दिन के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूँ। यू.पी.ए. शासनकाल के दौरान डॉ. सिंह के कार्यकाल में, भारत ने अपूर्व ग्रोथ, उन्नति तथा कायाकल्प देखा। उन पर अनेक हमले भी होते रहे, जैसा कि उन्होंने एक बार कहा था, इतिहास उनके प्रति अधिक दयालु रहेगा तथा भारत के विकास में उनका योगदान इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा।''

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908